पटना ● मंगलवार, 03 दिसंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः318 www.bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

गर्भ में लिंग परीक्षण कराना कानूनन... 3 www. bordernewsmirror.com राशि खन्ना आईएमडीबी की... 7

अगले महीने होगा 26 राफेल मरीन का सौदा

● नेवी चीफ दिनेश कुमार त्रिपाठी बोले-62 जहाज भी बन रहे

पुरी (एजेंसी)। नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि फ्रांस के साथ नेवी वैरिएंट वाले 26 राफेल-एम (मरीन) की डील फाइनल होने वाली है। इसके साथ ही 3 स्कॉर्पीन सबमरीन की डील पर भी बातचीत लास्ट स्टेज में है। जनवरी 2025 तक डील पक्की होने की संभावना है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि आने वाले 10 सालों में भारतीय नौसेना में 96 जहाज और पनडुब्बियां शामिल की जाएंगी। 62 जहाज और एक सबमरीन अभी अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। दिसंबर 2025 तक हर महीने एक जहाज नौसेना के बेड़े में शामिल किया

जाएगा। जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से राफेल-एम जेट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी, जिसे स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। पाकिस्तान के 50 जहाजों वाले नौसैनिक बेड़े के सवाल पर एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को देखकर हैरानी होती है कि उन्हें जहाज-सबमरीन कैसे मिल रहे हैं। हम चीन-पाकिस्तान से होने वाले हर संभावित खतरे से निपटने के लिए तैयार हैं। स्वदेशी न्यूक्लियर पॉवर्ड सबमरीन 2036 तक तैनात होगी नेवी चीफ ने बताया कि भारत में बनी पहली न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन 2036-37 तक कमीशन हो जाएगी।

हरियाणा कांग्रेस एमएलए की बीजेपी से नजदीकी बढ़ी

● खट्टर-अनिल विज के पैर छुए, मंच से बोले-सैनी बढ़िया मुख्यमंत्री

सिरसा (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा से कांग्रेस एमएलए गोकुल सेतिया की बीजेपी से नजदीकियां बढ़ने लगी हैं। इसकी शुरुआत कुछ दिन पहले 21 नवंबर को सिरसा में मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन कार्यक्रम से हुई। कार्यक्रम में

मुख्यमंत्री नायब सैनी पहुंचे थे। उन्होंने प्रोटोकॉल के हिसाब से न केवल कांग्रेस विधायक को तवज्जो दी, बल्कि स्वागत के लिए आए गोकुल सेतिया के लिए काफिला रुकवाकर उनका हाल भी पूछा। इससे विधायक सेतिया भी गदगद नजर आए। उन्होंने मंच से ही मुख्यमंत्री नायब सैनी की तारीफ की। इसके बाद 29 नवंबर को गोकुल सेतिया ने सिरसा में कष्ट निवारण समिति की मीटिंग लेने पहुंचे मंत्री अनिल विज के पैर छुए। इसके बाद वह विज की ही गाड़ी में बैठकर भी गए। वहीं गुरुग्राम में एक शादी समारोह में गोकुल सेतिया ने पूर्व सीएम एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के पैर छुए। सेतिया ने इसके फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किए।

जमानत मिलते ही आप तो फिर से मंत्री बन गए, वाह!

सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी, कहा- इसमें इतनी जल्दी क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार में मंत्री सेंथिल बालाजी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- ये जानकर हैरानी हुई कि सेंथिल बालाजी को कैश-फॉर-जॉब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जमानत मिलने के तुरंत बाद तमिलनाडु सरकार में मंत्री बना दिया गया। जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने कहा- हम जमानत देते हैं और अगले दिन आप

जाकर मंत्री बन जाते हैं। ऐसे में सोचा जा सकता है कि सीनियर कैबिनेट मिनिस्टर के तौर पर आपके पद के कारण गवाह दबाव में होंगे। यह क्या हो रहा है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने 26 सितंबर को सेंथिल बालाजी को जमानत दी थी। याचिका में कोर्ट से फैसला वापस लेने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि सेंथिल के मंत्री बनने से गवाह दबाव में होंगे। बेंच ने फैसला वापस लेने से इनकार किया, लेकिन कहा कि वो जांच के दायरे को इस तक सीमित रखेगी कि क्या गवाह दबाव में हैं। बेंच ने बालाजी के वकील से इस संबंध में निर्देश पाने का कहा है। मामले में अगली सुनवाई 13 दिसंबर के बाद होगी। 26 सितंबर को जमानत मिली थी, 28 को मंत्री बने साल 2011-16 के दौरान डीएमके शासन में बालाजी ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर थे।

चिन्मय प्रभु की रिहाई के लिए संतों का हल्लाबोल

● बांग्लादेश बॉर्डर पर किया विरोध प्रदर्शन, यूनुस के पुतले जलाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा और साधु-संतों के दमन के खिलाफ भारत में गुस्सा फूटने लगा है। पश्चिम बंगाल से साधु-संतों के एक समूह ने हिन्दू नेता की गिरफ्तारी के खिलाफ भारत-बांग्लादेश की सीमा पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। 24 परगना पेट्रोपोल सीमा चौकी से करीब 800 मीटर पर पहुंचे साधु-संतों ने जबरदस्त नारेबाजी करते हुए हिन्दू आध्यात्मिक नेता की रिहाई की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने बांग्लादेशी अंतरिम सरकार से अपील की कि वह अपने देश में हिन्दुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दे। अखिल भारतीय संत समिति के बैनर तले हो रहे इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए साधु-संत सुबह से ही धरना स्थल पर पहुंचने लगे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इस कार्यक्रम में पूरे पश्चिम बंगाल से आए साधु-संतों ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ अपनी बात रखी। पेट्रोपोल सीमा पर पहुंचे एक भिक्षु ने कहा, सीमा के पास जाकर हम मानव श्रृंखला बनाएंगे। हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को लेकर विरोध करते हुए हम भारत सरकार, बांग्लादेश सरकार को शांति का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि हम बांग्लादेश सरकार से उम्मीद करते हैं कि वह वहां पर हिन्दुओं के खिलाफ होने वाले हमलों को रोके। अखिल भारतीय संत समिति की बंगाल शाखा के अध्यक्ष स्वामी परमात्मानंद ने रविवार को कहा था कि पेट्रोपोल सीमा पर आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक बांग्लादेश सरकार हिंदुओं और मंदिरों पर होने वाले हमलों को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करती। दूसरी तरफ इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) पिछले कुछ दिनों से कोलकाता के अल्बर्ट रोड स्थित अपने केंद्र में प्रार्थना सभाओं और कीर्तनों का आयोजन कर रहा है। समूह दास की रिहाई की मांग कर रहा है और पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की है। इससे इतर विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा ने भी पेट्रोपोल सीमा पर बुधवार को धरना प्रदर्शन की घोषणा की है। भाजपा के साथ इस प्रदर्शन में हिंदू जागरण मंच और अन्य धार्मिक समूहों के भी जुड़ने की संभावना है।

मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई

ज्यादातर को पीछे से गोली मारी गई, 4 शवों की 1-1 आंख गायब

इंफाल (एजेंसी)। 11 नवंबर को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट (पीएम रिपोर्ट) सामने आ गई है। इसमें पता चला है कि ज्यादातर को पीछे से गोली मारी गई थी। सभी के सिर से लेकर पैर तक पूरे शरीर में गोलियां लगी हैं। कुछ को 10 से ज्यादा गोलियां लगी हैं। इसके अलावा उनके शरीर पर कोई अन्य घाव या टॉर्चर के निशान नहीं हैं। हालांकि, चार शवों की एक-एक आंख गायब है।

भारत आ रहा है यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत

राफेल जेट और परमाणु हथियारों से हमेशा रहता है लैस

पेरिस (एजेंसी)। यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत कहे जाने वाला फ्रांस का चार्ल्स दी गाले परमाणु ऊर्जा से चलने वाला एयरक्राफ्ट कैरियर भारत आ रहा है। करीब 42500 टन का यह परमाणु युद्धपोत इस महीने के मध्य में आ रहा है। वहीं 3 अन्य फ्रांसीसी युद्धपोत भारत आ चुके हैं। अमेरिका के दैत्याकार सुपर कैरियर के बाद केवल फ्रांस ही है जिसके पास परमाणु ऊर्जा से चलने वाला एयरक्राफ्ट कैरियर

है। फ्रांस का यह युद्धपोत ऐसे समय पर भारत पहुंच रहा है जब हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की दादागिरी बढ़ रही है। इस यात्रा को भारत और फ्रांस के बीच बढ़ती दोस्ती के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। वहीं पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी की मुलाकात के बाद इटली के रक्षा मंत्री भी भारत आ रहे हैं। फ्रांस के युद्धपोत यहां भारतीय युद्धपोतों और एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रमादित्य के साथ अभ्यास कर सकता है। चार्ल्स दी गाले एयरक्राफ्ट कैरियर पर राफेल फाइटर जेट तैनात रहते हैं और इसे परमाणु बम से भी लैस किया जा सकता है। भारतीय नौसेना ने भी राफेल के नौसैनिक वर्जन का ऑर्डर दिया है। भारत जल्द ही फ्रांस को 3 अन्य स्कॉर्पिन पनडुब्बी का भी ऑर्डर दे सकता है।

किसानों ने खाली की सड़क, प्रदर्शन स्थगित

दिल्ली कूच पर लगाया ब्रेक, अब सरकार के साथ बैठक के बाद बनेगी अगली रणनीति

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में किसानों के प्रदर्शन पर बड़ा अपडेट सामने आया है। नोएडा के किसानों ने दोपहर से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था। किसानों के प्रदर्शन की घोषणा से सुबह से नोएडा से लेकर दिल्ली तक सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रही। वहीं, किसान आंदोलन को लेकर प्रशासन की टीम लगातार प्रदर्शनकारियों के संपर्क में रही। प्रदर्शनकारी किसान संगठन के नेताओं के साथ बातचीत में तय हुआ कि अभी आंदोलन को स्थगित किया जाएगा। किसानों का प्रतिनिधिमंडल और राज्य सरकार के साथ बातचीत होगी। इसके बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। वहीं, प्रदर्शनकारी किसान अब सड़क को खाली करने पर राजी हो गए हैं। इससे ट्रैफिक जाम की समस्या खत्म हो जाएगी। किसान संगठन की ओर से दिल्ली कूच पर ब्रेक लगने की जानकारी दी गई है। किसान संगठन के प्रतिनिधि ने कहा कि आंदोलन को फिलहाल स्थगित किया गया है। यूपी सरकार के साथ अगर वार्ता विफल होती है तो दिल्ली कूच पर निर्णय लिया जाएगा। किसान प्रतिनिधि अब राज्य सरकार से बातचीत करेंगे। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि फिलहाल दलित प्रेरणा स्थल पर धरना दिया जाएगा। दरअसल, संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने 64.7 प्रतिशत बढ़ा मुआवजा का भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की संसद में स्क्रीनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बालयोगी ऑडियोटोरियम में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। फिल्म देखने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री-सांसद पहुंचे। विक्रांत मैसी स्टारर द साबरमती रिपोर्ट 15 नवंबर को रिलीज हुई थी। यह

फिल्म 2002 गोधरा कांड और उसके बाद हुए गुजरात दंगों पर आधारित है। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त नरेंद्र मोदी गुजरात के सीएम थे। मोदी पर भी आरोप लगे कि उन्होंने दंगों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। हालांकि, बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी। इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर फिल्म की सराहना की थी। उन्होंने लिखा था- यह अच्छी बात है कि सच सामने आ रहा है, वो भी इस तरह से कि आम जनता भी इसे देख सके।

महाराष्ट्र में सीएम के नाम पर जल्द ही लगेगी मुहर

बीजेपी ने सीतारमण और विजय रूपाणी को बनाया पर्यवेक्षक

बीजेपी चीफ बावनकुले शपथ स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सीएम के नाम पर मुहर लगाने के लिए भाजपा विधायक दल की मीटिंग होगी। इस मीटिंग में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भाजपा के सीनियर नेता विजय रूपाणी पर्यवेक्षक के तौर पर मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि इस मीटिंग में ही ऐलान किया जाएगा कि मुख्यमंत्री किसे बनाया जाएगा। भाजपा विधायक दल का नेता चुनने के लिए ही मीटिंग होनी है।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि 4 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की मीटिंग की जाएगी, जिसमें किसी एक नेता का नाम प्रस्तावित किया जाएगा और फिर से सभी विधायकों की मंजूरी ली जाएगी। फिलहाल यही चर्चा है कि देवेंद्र फडणवीस का नाम ही भाजपा हाईकमान की ओर से प्रस्तावित किया जाएगा, लेकिन इस पर कोई पुष्टि नहीं की गई है।

इसके अलावा कोई खुलकर इस मसले पर बोल भी नहीं रहा है। महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि जनता चाहती है कि सीएम वही रहें। शिंदे ने रविवार को इंटरव्यू में कहा है, मैं आम लोगों के लिए काम करता हूं। मैं जनता का मुख्यमंत्री हूं। इसी वजह से लोग मानते हैं कि मुझे ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए। आज विधायकों के साथ शिंदे की बैठक रद्द कर दी गई। डॉक्टरों ने एकनाथ शिंदे को आराम की सलाह दी है। एनसीपी नेता अजित पवार दिल्ली पहुंच गए हैं। देवेंद्र फडणवीस भी जाएंगे। दोनों नेता संभावित मंत्रियों की लिस्ट और उनका रिपोर्ट कार्ड लेकर अमित शाह से चर्चा करेंगे। इससे पहले 28 नवंबर को शिंदे, फडणवीस और पवार तीनों दिल्ली गए थे। अब तक मिली जानकारी के अनुसार एकनाथ शिंदे पूरा जोर लगा रहे हैं कि यदि वह सीएम नहीं बनाए जा रहे हैं तो फिर होम मिनिस्ट्री जैसा ताकतवर मंत्रालय ही मिल जाए। शिवसेना के करीबी सूत्रों का कहना है कि लंबे समय से एकनाथ शिंदे होम मिनिस्टर बनना चाहते थे। उनकी यह इच्छा रही है कि वह पूरे महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था का जिम्मा संभालें। यह सबसे ताकतवर शख्सियत होता है।

अकाल तख्त की सख्त सजा, जूठे बर्तन साफ करेंगे सुखबीर

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में गोल्डन टेंपल स्थित श्री अकाल तख्त साहिब पर सोमवार को पांच सिख साहिबानों की मीटिंग हुई। अकाली दल की सरकार के वक्त डेरा सच्चा सौदा सिरसा के मुखी राम रहीम को माफी और बेअदबी के मामले में सुखबीर बादल और बाकी सिख मंत्रियों को सजा सुनाई जा रही है। जत्थेदार रघबीर सिंह ने कहा कि सुखबीर सिंह बादल को पांचों तख्तों पर जूठे बर्तन साफ करने होंगे। वह श्री दरबार साहिब के बाहर बरछा लेकर बैठेंगे। उन्हें गले में तख्ती पहननी होगी। इसके साथ पूर्व सीएम स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल से फक्र ए कौम सम्मान वापस लिया जाएगा। इसके पहले सभी के बयान दर्ज किए गए। इस दौरान सुखबीर सिंह बादल ने राम रहीम को माफी देने की गलती कबूली। वहीं प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने कहा कि मुझ पर लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। इसके साथ बलविंदर सिंह भूंदड़, दलजीत सिंह चीमा, करनैल सिंह पंजोली और गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने भी आरोप नकार दिए। मीटिंग में साल 2007 से 2017 तक शिरोमणि अकाली दल की सरकार के पूर्व मंत्रियों, 2015 की शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की कार्यकारिणी के सदस्यों और मौजूदा प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी को बुलाया गया है। पैर में फ्रैक्चर की वजह से सुखबीर सिंह बादल व्हीलचेयर पर श्री अकाल तख्त साहिब पहुंचे हैं।

इंडिया ब्लॉक में मतभेद बैठक में नहीं गई टीएमसी

● ममता की पार्टी बोली-कांग्रेस सिर्फ अडाणी के मुद्दे पर अटकी ● पीएम मोदी 13-14 दिसंबर को दोनों सदनों को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार पांचवें दिन भी हंगामा हुआ। विपक्ष ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदन में अडाणी और संभल मुद्दा उठाया। विपक्षी नेताओं ने वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाए। सोमवार को लोकसभा में सिर्फ 14 मिनट और राज्यसभा में करीब 15 मिनट ही कार्यवाही चल सकी। इससे पहले चार दिनों के अंदर चार बैठकों में दोनों सदनों में कुल 40 मिनट ही कार्यवाही हो सकी थी। बैठक से पहले इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। इसमें लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। हालांकि टीएमसी सांसद नहीं आए। टीएमसी से जुड़े सूत्रों ने कहा कि वे सदन में बेरोजगारी, मणिपुर, महंगाई जैसे मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, जबकि कांग्रेस सिर्फ अडाणी मुद्दे पर हंगामा कर रही है। उधर, सदन स्थगन के चलते लोकसभा में आज विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत-चीन मुद्दे पर नहीं बोल पाए। वहीं वित्त मंत्री सीतारमण भी लोकसभा में बैंकिंग लॉ संशोधन बिल पेश नहीं कर सकीं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सभी विपक्षी दल चर्चा करना चाहते हैं। अगर सरकार इसे चलाती है तो संसद चलेगी। सरकार को संसद को चलाने के लिए विपक्ष के साथ सहयोग करना चाहिए। लोकसभा शुरू होते ही हंगामा होने लगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पहले तेजस्वी यादव करेंगे बिहार की यात्रा

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी के तहत बिहार में यात्राओं का दौर फिर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर प्रदेश की यात्रा पर निकलने वाले हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार 15 दिसम्बर से सीएम महिला संवाद यात्रा पर निकलेंगे। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपनी यात्रा का शेड्यूल जारी कर दिया है। तेजस्वी प्रसाद यादव चार दिसंबर को मुंगेर से कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा की शुरुआत करेंगे। हालांकि, अभी इसकी औपचारिक घोषणा पार्टी की ओर से नहीं की गयी है, लेकिन यात्रा को लेकर तैयारी शुरू है। चौथे चरण की संवाद यात्रा को लेकर संबंधित जिलों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के लिए बड़े हॉल की तलाश की जा रही है। दो जिले में हॉल उपलब्ध हुआ है। इसके पूर्व तीसरे चरण की यात्रा के दौरान जमुई में रहने के दौरान झारखंड विधानसभा चुनाव एवं बिहार में चार

विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा होने के कारण यात्रा स्थगित कर दी गयी थी। वहां यात्रा को रोक कर वे रांची के लिए रवाना हो गए थे। झारखंड विधानसभा और बिहार उपचुनाव से निबटने के बाद तेजस्वी ने एक बार फिर कार्यकर्ता दर्शन यात्रा के लिए कमर कस लिया है। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तेजस्वी यादव चार दिसंबर को मुंगेर से कार्यकर्ता सह कार्यकर्ता दर्शन के चौथे चरण की शुरुआत करेंगे। वहां से पांच दिसंबर को बेगुसराय, छह दिसंबर को खगड़िया और सात दिसंबर को लखीसराय में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम बनाया गया है। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तेजस्वी यादव चार दिसंबर को मुंगेर से संवाद सह कार्यकर्ता दर्शन के चौथे चरण की शुरुआत करेंगे। वहां से पांच दिसंबर को बेगुसराय, छह दिसंबर को खगड़िया और सात दिसंबर को लखीसराय में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम बनाया गया है। लखीसराय के संवाद कार्यक्रम में शेखपुरा के कार्यकर्ता भी शामिल रहेंगे। इसके साथ ही, मुंगेर प्रमंडल में तेजस्वी की यात्रा का समापन हो जाएगा। इसके बाद, पांचवें चरण की यात्रा का कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले तेजस्वी यादव पूरे बिहार में भ्रमण कर अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों का जोश हाई करने का काम पूरा करने की तैयारी में हैं।

प्रधानाध्यापक पर छात्राओं से गंदी हरकत का आरोप लगाकर पीटा

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय के नगर परिषद क्षेत्र के पुरानी बाजार मध्य विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक संजय कुमार पर छात्राओं के साथ गंदी हरकत का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने विद्यालय में घुसकर उनके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो शनिवार का बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि आरोप लगाने वाले लोग कक्षा में घुसते ही प्रधानाध्यापक पर ताबड़तोड़ थप्पड़ मारने लगते हैं। आरोप है कि छात्राओं ने अपनी शिकायत परिजनों से की थी, जिसके बाद वे विद्यालय पहुंचे और प्रधानाध्यापक के साथ बदसलूकी की। हालांकि, वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

डीएम ने जांच का दिया आदेश : मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र ने घटना की जांच का आदेश दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विद्यालय प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों का इस मामले पर कोई बयान नहीं आया है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। यह मामला शिक्षा और बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

संक्षिप्त समाचार

यूनियन चुनाव को लेकर किउल पहुंचे कर्मचारी यूनियन के नेता : समर्थकों ने किया स्वागत

लखीसराय, एजेंसी। झाझा-मोकामा रेल खंड पर स्थित किउल जंक्शन पर सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के केंद्रीय संगठन मंत्री मनोज कुमार पांडे आगामी 4, 5 और 6 दिसंबर को होने वाले मान्यता चुनाव को धारदार बनाने पहुंचे। बक्सर से किउल आए श्री पांडे का स्थानीय नेताओं और समर्थकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह और सचिव पी. सुबंधु के नेतृत्व में रेलवे कर्मचारियों से बैठक कर चुनाव में सहयोग का अनुरोध किया गया। श्री पांडे ने चुनाव के महत्व को बताते हुए कर्मचारियों को यूनियन की ओर से उठाए गए मांगों और उनके फायदे समझाए। उन्होंने पुराने पेंशन प्रणाली को लागू करने और अन्य स्थानीय मुद्दों को मजबूती से उठाने का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि ईस्ट सेंट्रल रेलवे यूनियन को 2007 से मान्यता प्राप्त है और 2013 में भी यह चुनाव जीता था। तीसरी बार भी मान्यता के लिए चुनाव अहम है, जिसे रेल कर्मचारियों की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए तीन दिनों तक चलाया जाएगा। इस दौरान यूनियन के झंडे के साथ धर्मेंद्र कुमार, संजीत कुमार, अरुण कुमार सिंह समेत कई समर्थक मौजूद रहे। किउल में एक माह से यूनियन द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

आग की चपेट में आने से युवक झुलसा, गंभीर हालत में पटना रेफर

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर गांव में आग की चपेट में आने से एक युवक बुरी तरह झुलस गया। देखते ही देखते आग युवक के पूरे शरीर में पकड़ लिया। इसके बाद खेत में काम कर रहे अन्य लोगों की मदद से शरीर से आग को बुझाया गया। मौके पर मौजूद परिजनों ने इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। र झुलसा युवक गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर गांव निवासी बरमेश्वर राम (40) है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया है कि वह अपने धान के खेत में कटनी बाद पुआल पड़ा हुआ था। रविवार को जब वह खेत में उसी पुआल को जला रहा था। उसी दौरान अचानक आग भभक उठा। जिससे खेत में रखे पुआल के भंडार में आग लग गई। जब वह आग लगने के बाद बुझाने की कोशिश की तो वह आग की लपटों की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया। आग की लपट इतनी तेज थी कि मौके पर मौजूद लोगों के पहुंचते ही आग युवक को अपने आगोश में ले लिया। मौजूद लोगों ने आग पर काबू पा लिया लेकिन युवक बुरी तरह झुलस गया। ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि युवक करीब 60 प्रतिशत जल गया है। जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इमरजेंसी वार्ड में उसका प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। उसके बाद गंभीर हालत में उसे पटना रेफर किया गया।

सक्षमता परीक्षा पास दूसरे चरण के शिक्षकों का थंब इंप्रेशन चार से

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सक्षमता परीक्षा पास दूसरे चरण के शिक्षकों का थंब इंप्रेशन का मिलान चार दिसंबर से होगा। शिक्षा भवन में एकबार फिर इन शिक्षकों का बायोमेट्रिक मिलान किया जाएगा। परीक्षा का मूल एडमिट कार्ड लेकर इन शिक्षकों को जाना होगा। एजेंसी के माध्यम से तकनीशियन की प्रतिनियुक्ति की गई है। बिहार विद्यालय विशिष्ट शिक्षक नियमावली 2023 के आलोक में स्थानीय निकाय शिक्षकों के लिए सक्षमता परीक्षा 2024 (द्वितीय) के सभी शिक्षक अभ्यर्थियों का थंब इंप्रेशन और बायोमेट्रिक मिलान होना है। थंब इंप्रेशन चार से आठ दिसम्बर तक किया जाना है।

सेविंग्स के करीब 40 हजार रुपए नहीं देने पर दोस्तों ने की हत्या

पैसे नहीं देने पर रॉड से पीटा फिर चाकू से किया हमला, पूर्णिया से जालंधर गया था युवक

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया का रहने वाले एक युवक को उसके 3 दोस्तों ने जालंधर में पीट-पीटकर मार डालने का मामला सामने आया है। युवक के दोस्तों ने सेविंग्स के करीब 40 हजार रुपए नहीं देने पर वारदात को अंजाम दिया है। मारपीट में युवक बुरी तरह से घायल हो गया था। युवक की चीख की आवाज सुनकर आए लोगों ने उसे जालंधर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जिसके बाद परिजनों को कॉल करके सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद परिजन जालंधर पहुंचकर बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया ला रहे थे। उसी दौरान बीच रास्ते में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी तीनों दोस्त फरार हैं। परिजनों ने मृतक के दोस्तों के खिलाफ स्थानीय थाना में खड़्कदर्ज कराया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर पूरे मामले की छानबीन में जुट गई। मृतक के भाई जीवन राम ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति

ठीक न होने के कारण रौशन को काम की जरूरत थी। वो पूर्णिया आर्ट्स से ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहा था। इसी बीच मधेपुरा में रहने वाले उसके तीन दोस्तों ने उसे जालंधर चलकर बेहतर नौकरी और सैलरी का ऑफर दिया। उस समय घर पर महाजन के कर्ज को चुकाने के लिए रुपयों की सख्त जरूरत थी। इसके लिए वो जालंधर चला गया।

रॉड से पीटने के बाद चाकू से हमला किया

वो घर के हालात समझते हुए अपने दोस्तों के साथ 4 महीने पहले पूर्णिया से जालंधर चला गया। जहां वो 4 महीने से मजदूरी का काम करता था। 4 महीने की सेविंग्स को वो घर भेजने वाला था। इसी दौरान उन पैसों पर उसके दोस्तों की नजर पड़ी। दोस्तों को उसके रुपए पर लालच आ गया। वो उससे रुपए की मांग किया। युवक ने जब दोस्तों को रुपए देने से मना कर दिया तो उसके दोस्तों उसे पहले लोहे की रॉड से पीटा। जिसके बाद धारदार चाकू से कई जानलेवा वार किया। जानकीनगर थाना क्षेत्र के भंगहा चांदपुर वार्ड 1 निवासी राजेश राम का बेटा रौशन कुमार राम (19) की मौत के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक मौके से फरार। है जिसकी तलाश की जा रही है।

सोनपुर मेले में मशरूम से बने लिट्टी-पकौड़े की डिमांड

हाजीपुर की मीना कुशवाहा प्रतिदिन कर रही 10 हजार की कमाई, मशरूम मैडम के नाम से हैं मशहूर

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र के सोनपुर मेला में इस बार मशरूम से बना हुआ लिट्टी,पकौड़ा की बिक्री खूब हो रही है। मेला घूमने आने वाले लोग जमकर मशरूम से बना हुआ लिट्टी,पकौड़ा का स्वाद ले रहे है। बिहार का प्रसिद्ध व्यंजन लिट्टी,पकौड़ा और चोखा लोग खाने और स्वाद लेना भूल नहीं रहे है। वैशाली जिले के हाजीपुर शहर के लोदीपुर नारायण गली निवासी मीना कुशवाहा, मीना कुशवाहा मशरूम मैडम के नाम से मशहूर है। मीना कुशवाहा सोनपुर मेला के कृषि प्रदर्शनी में मशरूम का स्टॉल लगाया है जहाँ मशरूम से बना हुआ लिट्टी,पकौड़ा बनाकर बिक्री की जा रही है।

प्रतिदिन 10 हजार की हो रही बिक्री : मशरूम मैडम मीना कुशवाहा ने बताया कि सुबह से शाम 08 बजे तक स्टॉल पर लिट्टी,पकौड़ा खाने के लिए लोगो की भीड़ लगी रहती है। प्रतिदिन सुबह से देर शाम तक 300 तक लिट्टी,पकौड़ा की बिक्री हो रही है उन्होंने बताया कि एक दिन में करीब 10 हजार की बिक्री हो रही है। मशरूम मैडम मीना कुशवाहा ने बताया कि हाजीपुर हरिहरपुर के वीके कृषि विज्ञान केंद्र से प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने बताया कि आत्मा वैशाली, नालंदा,पटना से भी प्रशिक्षण ले चुकी है। मीना कुशवाहा कृषि प्रदर्शनी में मीना मशरूम उत्पादक द्वारा आयोजित प्रदर्शनी सह बिक्री केंद्र के बैनरतले स्टॉल लगाई है। मशरूम मैडम मीना कुशवाहा ने बताया कि मशरूम से बना हुआ 30 रुपए में लिट्टी ,चौखा और पकौड़ा खिला रही है जो पेट भर है। मीना कुशवाहा ने बताया कि मशरूम का बिस्कुट भी लोग जमकर खरीद रहे है। उन्होंने कहा सोनपुर मेला में 2016 से स्टॉल लगा रहे है इसके अलावा राजगीर समेत अन्य जिला और राज्य में लगने वाले मेला जा सकते है। सप्ताह में दो दिन मशरूम खाने से कैंसर की बीमारी नहीं हो सकती है मशरूम में हाई प्रोटीन पाया जाता है। मशरूम को खाने से बीमारी से लड़ने की क्षमता होती है जो बीमारी नहीं होती है।

भोजपुर में सड़क हादसे में 2 लोग जख्मी, बाजार घूमने के दौरान बाइक सवार ने मारी टक्कर

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसे में बुजुर्ग समेत दो लोग जख्मी हो गए। इसके बाद दोनों जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया । पहली घटना शहर के टाउन थाना क्षेत्र के सपना सिनेमा मोड़ के पास की है। रविवार को बाइक सवार ने सड़क किनारे पैदल जा रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। सूचना पाकर परिजन भी सदर अस्पताल पहुंचे। जख्मी बुजुर्ग की पहचान झारखंड के टाटा जिला के छोटा गोविंद गांव निवासी सुरेंद्र प्रसाद (62) के रूप में हुई है। बुजुर्ग के साढ़ू ने बताया कि सोमवार को मेरी लड़की की शादी है। जिसमें शामिल होने के लिए वो प्रकाश पुरी मार्केट आए हुए हैं। आज जब वो बाजार घूमने के लिए निकले तो किसी बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें वो जख्मी हो गए।

बोलेरो ने मजदूर को मारी टक्कर : नवादा थाना क्षेत्र के प्राइवेट बस स्टैंड के समीप बोलेरो ने सड़क पार कर रहे मजदूर को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसके इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया गया। जख्मी मजदूर गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर गांव निवासी स्व. गोरख राय का 40 वर्षीय पुत्र तिलक राय है। वह पेशे से मजदूर है और प्राइवेट बस स्टैंड स्थित दुकान पर लेबर का काम करता है। जख्मी मजदूर ने बताया कि हर रोज की तरह बस स्टैंड स्थित अपने दुकान पर काम करने के लिए आया था। जब वह सड़क पार कर सड़क की दूसरी तरफ जा रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रही बोलेरो ने उसके पैर पर चढ़ा दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

सड़ा-गला और अनाज का कम वजन बर्दास्त नहीं करेगा संगठन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। छोटी सरैयागंज स्थित नवयुवक समिति ट्रस्ट सभागार में रविवार को फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन की जिला इकाई के नव निर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के महानगर अध्यक्ष रामबाबू पटेल और संचालन काशीनाथ झा ने किया। जिला महासचिव देवन रजक ने कहा कि जनवितरण विक्रेता को गोदाम से सड़ा-गला अनाज या कम वजन मिले तो संगठन से शिकायत करें। संगठन के लोग जिला से प्रखंड स्तर पर एसएफसी गोदामों का निरीक्षण कर सही अनाज दिलवाएंगे। कहा कि सभी साथी अपनी समस्या जरूर बताएं ताकि बात सरकार तक पहुंचाई जा सके। कहा कि प्रखंडों में संगठन निष्क्रीय है वहां पुनः चुनाव कराया जाएगा। इसके बाद महानगर ईकाई की ओर से नवनियुक्त पदाधिकारियों व सदस्यों का अभिनन्दन किया गया। समारोह में जिलाध्यक्ष रविन्द्र कुमार, जानकी रमण शाही, भीमबली सहनी, मुन्ना यादव, संतोष कुमार पप्पू, रामपुकार साह, वरुण चौधरी, मनोज बैठा, प्रमोद चौधरी, विनोद चौधरी, शंभू रजक, संजय यादव, रविन्द्र राय, सत्यदेव पासवान, सुनील साह, प्रमोद कुमार राम, महेश पासवान, विनोद यादव, कमलेश सिंह, मो. कासिम, रामसेवक पासवान आदि थे।

सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में कर्मियों की भारी कमी : मरीज हो रहे परेशान

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के सबसे बड़े सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में फोर्थ ग्रेड कर्मियों की भारी कमी के कारण मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में सड़क दुर्घटना में घायल एक राहगीर को बंजरिया थाना पुलिस अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन वहां स्ट्रेचर लाने और मरीज को अंदर ले जाने के लिए केवल एक महिला कर्मी मौजूद थी। किसी अन्य कर्मी के न होने से एक युवक ने महिला की मदद की। बावजूद इसके, भारी शरीर के मरीज को स्ट्रेचर पर लाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

दो-चार दिन में समस्या का समाधान होने की उम्मीद : इस घटना से अस्पताल में कर्मचारियों की कमी का गंभीर मुद्दा सामने आया। जब इस मामले पर सीएस विनोद कुमार सिंह से सवाल किया गया, तो उन्होंने इसे मैनेजर के पास भेज दिया। मैनेजर कौशल किशोर दुबे ने बताया कि इमरजेंसी में दो कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाती है, लेकिन एक का ट्रांसफर हो चुका है। जिला स्वास्थ्य समिति से नए कर्मी की मांग की गई है और दो-चार दिनों में समस्या का समाधान होने की उम्मीद है।

स्थायी समस्या बनी है कमी : सदर अस्पताल में यह कोई नई बात नहीं है। खासकर रात में इमरजेंसी सेवाएं बाधित रहती हैं। मरीजों और उनके परिजनों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। अब सवाल उठता है कि इतने बड़े अस्पताल में कर्मियों की कमी पूरी करने में इतना समय क्यों लग रहा है।

गया से 36 साइबर फ्रॉड गिरफ्तार,देशभर में करते थे ठगी

सरकारी लाभ दिलाने के लिए लेते थे पैसे, फिर नंबर कर देते थे बंद

गया, एजेंसी। गया पुलिस ने 36 साइबर फ्रॉड को गिरफ्तार किया है। फ्रॉड कंपनी पेलोन साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेडकंपनी इलाहाबाद बैंक के ऊपर तीन मंजिला मकान में पिछले 3 साल से चल रही थी। गिरफ्तार शातिरों में कंपनी के सीईओ कोतवाली थाना क्षेत्र के तेल बिगहा निवासी निशांत कुमार, नवादा जिले के इमामबाड़ा निवासी मोहित कुमार और मैनेजर अनीशा कश्यप भी शामिल है। बाकी कंपनी के कर्मी हैं। इनमें तीन लड़कियों की शादी 15 दिन के अंदर होने वाली है। गिरफ्तार कर्मियों को पता ही नहीं था कि वे लोगों को ठग रहे हैं। ये लोग सरकारी योजना से मिलने वाले आर्थिक लाभ दिलाने के नाम पर लोगों को फंसाते थे, फिर कंपनी का क्यूआर कोड कस्टमर को भेज कर पैसे मंगवाते थे। लोगों को कॉल कंपनी के एप्लिकेशन या मोबाइल नंबर से किया जाता था।

36 मोबाइल किया गया जब्त : पुलिस ने छापेमारी के दौरान लैपटॉप और 36 मोबाइल बरामद किया। इनमें 20 नंबर की जांच हुई तो पता चला कि इन नंबरों से पूरे 36 शिकायत दर्ज की गई हैं। पुलिस ने बताया कि कंपनी का खाता संख्या 069463400000 है, जो यश बैंक में है। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर जांच की गई तो खाते पर 2 शिकायत दर्ज है। साइबर थाने के डीएसपी साक्षी राय के नेतृत्व में रविवार की सुबह सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के मिर्जा गालिब कॉलेज के पास छापेमारी की हुई।

पीड़ितों की शिकायत पर एक्टिव हुई पुलिस : डीएसपी साक्षी राय ने बताया कि कुछ पीड़ितों ने शिकायत की थी। शिकायत की जांच की गई तो पता चला कि एईपीएस और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ देने के नाम पर लोगों को शिकार बनाता है। इसे लेकर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इसमें रामपुर थाना, साइबर थाना और तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी और कर्मी को शामिल किए गए।

ठगी के साक्ष्य मिलने के बाद गिरफ्तारी : विशेष टीम ने तीन मंजिला मकान में चल रहे पेलोन साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेडकंपनी के ऑफिस और कॉल सेंटर पर छापेमारी की। कंपनी के सीईओ निशांत कुमार से पूछताछ की गई तो पता चला कि दो और सहयोगी हैं। कंपनी से संबंधित दस्तावेज की मांग की गई तो किसी ने भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। जिसके बाद कंपनी के ऑफिस में काम कर रहे सभी कर्मियों की तलाशी की गई। जांच के क्रम में साइबर ठगी के सबूत मिले। इसके बाद सभी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर्मियों को गया कोर्ट लाया गया था। हालांकि उनकी पेशी नहीं हुई। कर्मियों में लड़कियां भी हैं। इन लड़कियों के परिजन भी मौजूद थे।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मौत, गोरखपुर में चल रहा था इलाज

सीवान, एजेंसी। सीवान के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सरसर गांव के पास हुई सड़क दुर्घटना में एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान जफरा गांव निवासी मक्केश्वर प्रसाद श्रीवास्तव के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि मृतक सिसवन ढाला के पास गिट्टी और बालू की दुकान में मजदूरी करते थे। हादसे के समय वह साइकिल से काम पर जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें सिवान सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच, पटना रेफर किया गया।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809, 9801344665
डॉ. एस. प्रसाद

गर्भ में लिंग परीक्षण कराना कानूनन अपराध है, इस पर रोक लगाना है जरूरी

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को महिला हिंसा उन्मूलन पखवाड़ा अंतर्गत पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (पीसीपीएनडीटी एक्ट) से संबंधित अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला के चकिया अनुमंडल सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी शिवानी शुभम की अध्यक्षता में किया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन महिला एवं बाल विकास निगम के जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी और जिला परियोजना प्रबंधक वीरेंद्र राम ने किया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी शिवानी शुभम ने कहा कि बिहार में लिंग अनुपात में लड़कियों की घटती संख्या काफी चिंता की बात है। उन्होंने गर्भवती महिला का लिंग परीक्षण नहीं करने के लिए जागरूकता की बात कही। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की जांच नियमित नहीं होती है या बच्चों

का वजन कम होता है तो इसके लिए सेविका सीधे जवाबदेह होगी। इसलिए सेविकाओं को आदेश दिया जाता है कि महादलित बस्ती सहित अन्य पिछड़े वर्गों के बस्ती में कुपोषित बच्चों की जांच और गर्भवती महिलाओं का नियमित जांच पर ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं का 9 माह के अंदर कम से कम तीन प्रसव पूर्व जांच एवं तीन अल्ट्रासाउंड कराना आवश्यक है इसके साथ ही जन प्रतिनिधियों को बताया गया कि आप सभी लोगों को बताए कि अनुमंडलीय अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था है ताकि बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी अद्यतन हो सके। किसी तरह की कोई गड़बड़ी अगर होती है तो उसका समाधान सरकारी अस्पताल के स्तर पर कराया जा सके। उन्होंने मुखिया को भी कहा कि सरकार के द्वारा जो जनकल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं या जो सुविधाएं दी जा रही है, लोगों को इसकी भी जानकारी होनी चाहिए, ताकि लोग ज्यादा से ज्यादा सरकार के इन जन कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ उठा सके। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि प्रसव पूर्व जांच पर ध्यान देना है संस्थागत प्रसव कराने के लिए जागरूकता करना है। सेविकाएं अपनी सेंटर पर ड्रेस कोड का पालन करेगी। लेडिज सुपरवाइजर इन बिंदुओं पर अपना रिपोर्ट अध्ययन करेगी और निरीक्षण के क्रम में स्थल जांच जरूर अपडेट करेगी। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि जेंडर हिंसा पर रोक एवं एक बेहतर समाज के निर्माण में अपनी सभी पदाधिकारी व कर्मी भूमिका निभाएं साथ ही लड़कियों के जन्म से लेकर पूरे जीवन में कोई भेदभाव नहीं हो इस पर भी समाज के सभी लोगों को जागरुक होने की आवश्यकता है। इस अवसर पर चकिया रेफरल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. चंदन कुमार ने कहा कि गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड सरकारी अस्पताल में ही कराए। किसी भी झोलाछाप डॉक्टर या अन्य बिचौलियों के चक्कर में नहीं रहे। उस से इनका जीवन खराब हो सकता है। गर्भ में लड़का/ लड़की की जांच करना यह बिल्कुल कानूनी अपराध है इस पर रोक लगाने की जरूरत है। इस कार्यशाला में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कल्याणपुर, केसरिया रघुवंश प्रसाद, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चकिया, मेहसी कुमारी श्वेता, उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रज़ा, लेखा सहायक शैलेश कुमार, चकिया अनुमंडल की सभी महिला पर्यवेक्षिका, बांस घाट मुखिया सुमन कुमार, मनी छपरा मुखिया गुड्डू सिंह, कटहा मुखिया मुश्ताक आलम सहित सेविका उषा देवी, शमीमा खातून, अनीता देवी, मीना कुमारी, अनुपमा कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ जोरों पर

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी: महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के 7 दिसंबर, 2024 को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियों के मद्देनज़र, आज महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में विभिन्न समितियों के सदस्यों और उनके समन्वयकों की पुलिस अधीक्षक श्री स्वर्ण प्रभात के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की, जबकि इसे समन्वय समिति के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने संचालित किया। इस बैठक में जिला प्रशासन के गणमान्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक का उद्देश्य दीक्षांत समारोह के आयोजन के लिए प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करना था। इस दौरान कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा, "दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय और हमारे छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। सभी समितियाँ पूरी लगन से कार्य कर रही हैं और जिला प्रशासन का सहयोग सराहनीय है। यह समारोह एमजीसीयू की परंपरा और उत्कृष्टता का प्रतीक होगा।"

समारोह की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा, "दीक्षांत समारोह से एक दिन पूर्व, 6 दिसंबर को एक रिहर्सल आयोजित की जाएगी, जिससे सभी व्यवस्थाओं को परखा और सुनिश्चित किया जा सके। सभी समितियों के सदस्य और समन्वयक दिन-रात मेहनत कर रहे हैं ताकि यह आयोजन छात्रों, उनके परिवारों और अतिथियों के लिए यादगार बन सके। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग का सहयोग हमें आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न करने में बड़ी मदद कर रहा है।"

बैठक के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अतिथियों की आवभगत, भीड़ प्रबंधन, तकनीकी व्यवस्थाएँ, और रिहर्सल की रूपरेखा जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई।

पुलिस अधीक्षक श्री स्वर्ण प्रभात ने समारोह के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, "हम यह सुनिश्चित करेंगे कि दीक्षांत समारोह के दौरान एक सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल बने। विश्वविद्यालय अधिकारियों के साथ हमारा समन्वय निरंतर जारी है, जिससे किसी भी चुनौती का समाधान समय पर किया जा सके।"

इस कार्यक्रम में माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। बिहार के माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर जी एवं पूर्वी चंपारण लोकसभा के सांसद राधा मोहन सिंह जी विशिष्ट अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह का हिस्सा होंगे।

दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय पूरी तैयारी में जुटा हुआ है। आगामी दिनों में गहन समन्वय और रिहर्सल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यह आयोजन एमजीसीयू की शैक्षणिक परंपरा और उत्कृष्टता को भव्य रूप से प्रस्तुत कर सके।

संक्षिप्त समाचार

देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती समारोह का टाउन हॉल मैदान में आज होगा भव्य समारोह

बीएनएमः मोतिहारी। चित्रगुप्त महापरिवार एवं राजेंद्र सेवा संस्थान के तत्वावधान में स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं भारतीय संविधान को लागू करने वाले संविधान सभा के अध्यक्ष व देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद जयंती समारोह का आयोजन शहर के राजेन्द्र नगर भवन (टाउन हॉल) मैदान में आयोजित किया गया है। उक्त आयोजन को लेकर नगर भवन के मैदान में भव्य मंच व पंडाल का निर्माण हो गया है। आयोजन के अध्यक्ष वरीय चिकित्सक डॉ. अतुल कुमार एवं संयोजक वरीय समाजसेवी, संस्कृतिकर्मी अनिल वर्मा ने आयोजन समिति के साथियों के साथ आयोजन स्थल पर तैयारी की समीक्षा बैठक की। उक्त अवसर पर डॉ. अतुल कुमार ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद को खास जाति की सीमा में बांधना एक अपराध है। हम सब उन्हें देशरत्न के नाम से जानते हैं। राजेन्द्र बाबू भारत के हर समुदाय और हर जाति के थे। हमारा प्रयास है कि उनकी जयंती को सभी लोग सामूहिक रूप से मिल कर मनाएं और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाएं। वहीं कार्यक्रम के संयोजक अनिल वर्मा ने कहा कि कार्यक्रम में हर समुदाय को लेकर चलने की अपनी अवधारणा को हम धरातल पर उतार रहे हैं। 03 दिसंबर को मेधा दिवस, अधिवक्ता दिवस और विश्व दिव्यांग दिवस भी है। कार्यक्रम में विशिष्ट कार्य करने वालों को मेधा सम्मान एवं अधिवक्ता सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। उक्त अवसर पर वरीय चिकित्सक डॉ. आशुतोष शरण, गुड्डू श्रीवास्तव, संजय वर्मा मंटू जी, गुलरेज शहजाद, राजीव वर्मा, मुमताज आलम, संत कुमार श्रीवास्तव, संजीव वर्मा, डॉ. सुनील चम्पारनी, सत्यम बाबू, बब्बू श्रीवास्तव, आदित्य कुमार, राजन श्रीवास्तव, रवि प्रकाश सिन्हा, आरुणि सिन्हा, युगराज, अमरेंद्र श्रीवास्तव, पप्पू महंत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी संयोजक अनिल वर्मा ने दी।

एमएस मेमोरियल स्कूल के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

बीएनएमः मोतिहारी। शहर के एमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा 8 की छात्रा आस्था और सिद्धि ने विज्ञान शिक्षक नितेश कुमार के मार्गदर्शन में आपदा प्रबंधन पर एक अभिनव परियोजना कार्य तैयार किया, जिसे विगत 29-30 नवंबर को डीएवी बीएसईबी कॉलोनी, मोतिहारी में आयोजित क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रस्तुत किया गया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर इस प्रोजेक्ट का चयन सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए किया गया है। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. सी.बी. सिंह ने छात्रों और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी और उनकी कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की रचनात्मकता और समर्पण का प्रमाण है। प्रधानाचार्य सरदार सतनाम सिंह ने विशेष रूप से नितेश कुमार और छात्राओं को धन्यवाद दिया, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर इस उपलब्धि को संभव बनाया। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय स्तर पर भी यह टीम विद्यालय तथा क्षेत्र का नाम रोशन करती रहेगी। विद्यालय परिवार इस उपलब्धि पर गर्व महसूस करते हुए छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उक्त जानकारी डॉक्टर विभु परासर ने दी है।

देशराज डॉ. राजेंद्र प्रसाद की एमएस कॉलेज में मनाई गई जयंती

बीएनएम। मोतिहारी

- निःशुल्क मेडिकल कैंप का किया गया आयोजन
- कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशिभूषण राय उर्फ गप्पु राय सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता रहे शामिल

मोतिहारी। नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में सोमवार को कॉलेज संस्थापक स्वर्गीय मुंशी सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार, प्रो. इक़बाल हुसैन, प्रो. एम.एन. हक़, डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान, डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. अमित कुमार, डॉ. मयंक कपिल, अमरजीत कुमार चौबे, डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. गौरव भारती आदि ने महाविद्यालय प्रांगण में स्थित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कहना न होगा कि स्वर्गीय मुंशी सिंह का मोतिहारी जिले में मुंशी सिंह महाविद्यालय के संस्थापक के रूप में और शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इस महाविद्यालय से शिक्षित छात्र-छात्राएं आज देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर उनकी इस ख्याति और योगदान के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए स्वर्गीय मुंशी सिंह के प्रपौत्र राजेश कुमार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता सह जदयू नेता अमरेंद्र सिंह, कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष शशिभूषण राय उर्फ़ गप्पू राय, सामाजिक कार्यकर्ता संजय कुमार सहित अन्य महाविद्यालय प्रांगण में उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्र संगठनों और महाविद्यालय की सहभागिता के साथ महाविद्यालय में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया गया। इसके अंतर्गत डॉ. कमलेश कुमार (नेत्र विशेषज्ञ) और डॉ. दिनेश कुमार (दंत विशेषज्ञ) के द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ दी गई। इस अवसर पर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के द्वारा पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने स्वर्गीय मुंशी सिंह के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मोतिहारी की शिक्षा व्यवस्था में उनके योगदान पर अपनी बात रखी। मौके पर आकर्ष कुमार तिवारी, आदित्य श्रीवास्तव, अमन चौबे, केशव कृष्णा, विनय कुमार, कुणाल कुमार सिंह, रौशन राज गुप्ता, वरुण पासवान, हिमांशु कुमार सिंह, अंकित तिवारी आदि छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकेतर कर्मचारियों में दिलीप कुमार सिंह, सुधीर कुमार राव, राजेश कुमार, हर्षवर्धन कुमार, रुपेश कुमार, सूबेदार प्रदीप द्विवेदी, बालकरण सिंह, ओम प्रकाश राय और संतोष कुमार आदि उपस्थित थे। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

पैक्स चुनाव में में पुराने पैक्स अध्यक्षो का दबदबा कायम

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। हरसिद्धि प्रखंड में महावीर रामेश्वर इंटर कॉलेज में पैक्स चुनाव में सम्पन्न हुए मतगणना में पुराने पैक्स अध्यक्षों का दबदबा कायम रहा। उज्जैन लोहियार पैक्स से शिवाकांत पांडेय ने पांचवी बार हैट्रिक जीत दर्ज की।उन्होने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुनील कुमार को 165 मतों से पराजित किया।श्री पांडेय को 575 मत मिला वही सुनील कुमार को410मत प्राप्त हुआ। कृतपुर पंचायत में अनिल कुमार चौबे को 1093 एवम एवम इनके प्रतिद्वंदी चंद्रशेखर शर्मा को713मत प्राप्त हुआ और वे 380 मत से चुनाव जीत गए।चढ़ रहिया पंचायत में वीरेंद्र तिवारी ने धर्मेंद्र कुमार तिवारी को 140 मतों से पराजित किया।वीरेंद्र तिवारी को 545 और धर्मेंद्र कुमार तिवारी को 405 मत मिले। जागापाकड में रामबाबू ठाकुर ने ललिता देवी को 165 मतो से पराजित किया।रामबाबु ठाकुर को 650 और ललिता देवी को 485 मत प्राप्त हुए। इसी तरह पानापुर रंजीता में प्रसिद्ध कुशवाहा को 862 और इनके प्रतिद्वंदी मुनीर आलम को 646 मत मिले इस प्रकार 216 मत से प्रसिद्ध कुशवाहा जीत गए। मठलोहियार में रजनीश कुमार उर्फ अब्बी जी अपने प्रतिद्वंदी रंजीत कुमार को 227 मतों से हरा दिए।मटियारिया में राजेश सिंह 62 मतों से चुनाव जीत गए। इन्हें 600 मत मिला था और इनके प्रतिद्वंदी ब्रजेश कुशवाहा को 538 मत प्राप्त हुआ। इसी तरह हसुआहाँ मानिकपुर पैक्स में राजेश कुमार को 765 और नीलू देवी को 522 मत मिला जिससे 227 मत से राजेश कुमार चुनाव जीत गए। वहीं घिउवाढार पैक्स में मेहरून नशा को 525 मत प्राप्त हुआ और इनके प्रतिद्वंदी राजेश कुमार को 324 मत मिला इसप्रकार मेहरून नेशा 201 मतों से चुनाव जीत गयी। यादव पुर पैक्स से मयंकेश्वर सिंह 301मतो से रतीश सिंह 48 मतो से उपेंद्र सिंह बैरिया डीह से चुनाव जीते सोनबरसा पैक्स से भरत प्रसाद चुनाव जीत गए।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

हृदय रोग से ग्रसित जिले के 05 बच्चे अहमदाबाद के लिए रवाना

बीएनएम।बेतिया

पश्चिम चंपारण जिले के अनुमंडलीय अस्पताल नरकटियागंज के हृदय रोग से ग्रसित 03 बच्चे, मैनाटांड़ से 01 तथा बगहा एक से 01 कुल 05 बच्चे अपने अभिभावक के साथ आईजीआईसी हृदय रोग संस्थान पटना रवाना हुए, जहाँ से ये बच्चे अन्य जिलों से आए बाल हृदय मरीजों के साथ अहमदाबाद के लिए एक साथ रवाना होंगे।

अस्पताल उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार ने हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस रवाना करते हुए बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों की आँगनबाड़ी केंद्र एवं सरकारी स्कूलों में चिकित्सकों के द्वारा समय समय पर जाँच की जाती है जिसमे हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को जिले में रेफर किया जाता है। उसके बाद आवश्यक कागजात की प्रक्रिया के बाद पटना आईजीआईसी या अहमदाबाद के सत्य साईं हॉस्पिटल में शल्य चिकित्सा कराई जाती है।

उन्होंने बताया कि शल्य चिकित्सा के बाद गंभीर हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को अब नया जीवन मिलेगा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला समन्वयक रंजन मिश्रा ने बताया कि नवंबर 2024 माह में 22 बच्चों को पटना भेजा गया है। सभी बच्चों का हार्ट का सर्जरी श्री सत्य साई हॉस्पिटल अहमदाबाद में कराया जाएगा। पटना से शाम के समय सभी बच्चों एवं उनके अभिभावक का फ्लाइट से ले जाया जाएगा। साथ में एक चिकित्सक भी इनके साथ जा रहे हैं।

जिले के सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार ने बताया की मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत जन्मजात हृदय रोगियों का निःशुल्क इलाज कराया जाता है। रोगियों की पहचान आरबीएसके की टीम द्वारा की जाती है। बाद में जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा उक्त रोगियों को एंबुलेंस से आइजीआइएमएस पटना भेजा जाता है। यहां संबंधित रोगियों की स्क्रीनिंग की जाती है। समस्या पाए जाने पर रोगियों को फ्लाइट के माध्यम से अहमदाबाद भेज कर उनका समुचित इलाज, भोजन, रहने की व्यवस्था कराया जाता है।

थाना से महज तीन सौ मीटर के दूरी पर इलेक्ट्रॉनिक दुकान में शटर काट कर चोरी

बीएनएम। तुरकौलिया

तुरकौलिया। थाना के महज तीन सौ मीटर की दूरी पर अरेराज मोतिहारी मुख्य सड़क मार्ग के किनारे तुरकौलिया स्कूल चौक स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में शटर काट कर अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई है। जहां सीसीटीवी में स्पष्ट चार चोर दिख रहे है। शटर तोड़ने के बाद एक चोर अंदर घुस कर चोरी की समान को बाहर निकाल कर दूसरे चोर को दे रहा है। वहीं दुकान के बाहर खड़े तीन चोर समान को इकठ्ठा कर रहे है। घटना को लेकर दुकानदार विशुनपुरवा निवासी अशोक कुमार सिंह ने थाना में आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने बताया है कि प्रतिदिन की भांति वे शाम में अपनी दुकान बंद कर घर चले गए। सुबह बगल के दुकानदारों ने शटर टूटा देख मुझे खबर किया। खबर मिलते ही आनन फानन में आए। और देखा कि दुकान से शटर टूटा हुआ है।वही दुकान के अंदर गया। तो देखा कि 11 बड़ा स्मार्ट एलईडी, एक बड़ा इनवर्टर बैटरी, मिक्सर व नकद सात हजार रूपया गायब है। उन्होंने यह भी बताया कि करीब चार माह पूर्व भी दुकान से 10 लाख रूपया की समान चोरी हुई थी। लोगो में यह चर्चा बना हुआ है कि मेन रोड में आखिर चोरी हो कैसी रही है। लेकिन पुलिस गस्ती को पता तक भी नहीं लगा। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि मामले में एफआईआर दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान में की जा रही है। जल्द ही सभी चोर सलाखों के पीछे होंगे।

संक्षिप्त समाचार

न्द्रावत तटबंध टूटने से आवागमन बाधित

बीएनएम : बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला के नौतन प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत राज पूर्वी नौतन पंचायत के महादलित बस्ती खैरा टोला के पास चन्द्रावत तटबंध का बांध टूट गया है। बांध के टूटने से आवागमन बाधित हो गया है।लंबी दूरी तय कर सवारियों का परिचालन हो रहा है। इससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में मूसलाधार बारिश के कारण पानी के तेज बहाव के चलते बांध ध्वस्त हो गया है। इस संबंध में पंचायत के मुखिया कौशल्या देवी से ध्वस्त तटबंध की मरम्मति करने की शिकायत ग्रामीणों ने किया है। ग्रामीण पप्पू चौधरी, रविकान्त कुमार, रामबाबू चौधरी, आजाद आलम, विनय यादव, खुश महम्मद मियां आदि ने कहा कि तटबंध टूटने से सवारियों का परिचालन ठप है। साथ ही टूटे बांध से खेती किसानी करने वाले किसानों को भी परेशानी हो रही है। मुखिया ने कहा कि तटबंध की मरम्मति कार्य पूरा करने की योजना बनाई जा रहीं हैं। बहुत जल्द ध्वस्त तटबंध का काम पुरा कर ग्रामीणों की समस्या दूर कर दिया जाएगा।

जज बनी महदेवा गांव की बेटी साक्षी को किया गया सम्मानित

बीएनएम। मोतिहारी : बिहार न्यायिक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर जज बनने वाली रक्सौल प्रखंड के गांव की बेटी साक्षी आर्या को सोमवार को सम्मानित किया गया।इस मौके पर नोनियाडीह पंचायत की मुखिया रूबी कुमारी गुप्ता के पति अशोक कुमार गुप्ता साक्षी के घर पहुंचे और पंचायत की बेटी को उसकी उल्लेखनीय सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि साक्षी ने पंचायत का मान बढ़ाया है और साक्षी बेटी के इस परिणाम से पंचायत के दूसरे युवक-युवतियों को भी बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होने साक्षी को अंगवस्त्रम व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया और इनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं साक्षी ने भी सभी को इस सम्मान के लिए लेकर आभार प्रकट किया।मौके पर साक्षी के पिता विजय कुमार सिंह, चाचा अजय कुमार सिंह, विभव कुमार सिंह, शिबू सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

फूड एंड एलाइड वर्कर्स यूनियन की तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल शुरू

बीएनएम। मोतिहारी : जिले के घोड़ासहन प्रखंड मुख्यालय स्थित एसएफसी गोदाम के घोड़ासहन व बनकटवा के मजदूरों ने अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर फूड एंड एलाइड वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर तीन दिवसीय हड़ताल व धरना शुरू कर दिया। मजदूर संघ अध्यक्ष जंगी लाल राय ने बताया कि श्रम संसाधन विभाग द्वारा न्यूनतम मजदूरी 11 रुपये 64 पैसे प्रति बोरा निर्धारित है,जबकि अभी तक पुराने दर 4 रुपये 55 पैसे की दर से भुगतान किया जा रहा है। मजदूरों की मांग है कि ई.पी.एफ और ईएसआई लाभ मिलनी चाहिए।धरना में मुख्य रूप से संजय यादव,रमाकांत यादव, अरुण राय,सुभाष यादव,विश्वनाथ राय,जियालाल यादव समेत घोड़ासहन तथा बनकटवा के सभी मजदूर शामिल रहें।

दिव्यांग बच्चों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के रक्सौल प्रखंड परिसर स्थित बुनियाद केंद्र पर सोमवार को दिव्यांग बच्चों के बीच अलग-अलग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंतराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस को लेकर आयोजित इस कार्यक्रम में रक्सौल प्रखंड के अलग-अलग पंचायत तथा नगर परिषद क्षेत्र के दिव्यांग बच्चों के लिए यहां गायन प्रतियोगिता, निंबू-चम्मच प्रतियोगिता, म्युजिकल चेयर के साथ-साथ अन्य तरह की प्रतियोगिता आयोजित की गयी।बुनियाद केंद्र रक्सौल के प्रभारी जीष्णु नाथ तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 35 की संख्या में बच्चे शामिल हुए।सभी ने बेहतर प्रदर्शन किया।जिसमें प्रत्येक कैटेगरी से तीन-तीन दिव्यांग बच्चों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय घोषित किया गया। उन्हे मंगलवार को अंतराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के मौके पर सम्मानित किया जाएगा।मौके पर डॉ रजीया खातून, मो. उनवान तजल्ली, मो. जमील अख्तर, सुरेन्द्र राम सहित प्रतिभागी राजन साह, मणीभूषण, लड्डू कुमार, अफरीना खातून, अफताब मियां, नजीस हुसैन, आशिका कुमारी, संगीत प्रतियोगिता विकास कुमार, उपेन्द्र पासवान, मंकेश्वर कुमार सहित अन्य मौजूद थे।प्रबंधक श्री तिवारी ने बताया कि बुनियाद केंद्र के माध्यम से बुनियाद केंद्र पर अभी प्रतिदिन 10 से 15 लोग फिजियोथेरेपी कराया जा रहा है,साथ ही प्रत्येक शनिवार को चश्मा का भी वितरण किया जाता है।बीते सितंबर माह से नवंबर के बीच 76 लोगों को चश्मा दिया गया है। कान के मशीन की उपलब्धता नहीं होने के कारण 100 से अधिक आवेदन पेडिंग है, मशीन उपलब्ध होते ही इसका वितरण किया जायेगा।

ज़िला पोषण समिति के गठन को लेकर हुई बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

राज्य आईसीडीएस निदेशालय पटना के पत्र के आलोक में सोमवार को पूर्वी चंपारण जिले में जिला पोषण समिति के गठन को लेकर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी शलैन्द्र भारती की अध्यक्षता में बैठक किया गया। उक्त बैठक में सभी नामित सदस्य के समक्ष आंगनवाडी केंद्र पर दी जाने वाली सभी सेवाओं के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों पर बुनियादी सेवाओं जैसे केंद्र भवन की साफ सफाई,विद्युत की उपलब्धता, पेयजल, शौचालय की शत प्रतिशत उपलब्धता को लेकर संबंधित विभाग को निर्देश देते हुए कहा गया कि एक माह के अंदर सभी बुनियादी सेवाओं को केंद्र पर लागू करने के लिए जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस मोतिहारी सभी संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए इन सुविधाओं को केंद्रो पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। बैठक में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस, डीपीओ मनरेगा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी, डीपीएम,एनएचएम जीविका, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जिला समन्वयक,सक्षम आंगनवाडी एवं जिला परियोजना सहायक उपस्थित रहे ।

गौशाला में अवैध पार्किंग व दूषित पानी गिराने वाले होंगे दंडित

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के चकिया शहर के छोटा बाजार स्थित श्री चकिया गौशाला के विकास को लेकर सेमवार को एसडीओ शिवानी शुभम की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गौशाला के सदस्यों ने गौशाला में अवैध पार्किंग सहित एक मिष्ठान निर्माता एवं अलम्युनियम फैक्ट्री के प्रदूषित जल के पीने से गाय व उसके बच्चे के बीमार होने की बात को एसडीओ को बताया गया। एसडीओ ने गौशाला परिसर में वाहनों के अवैध पार्किंग करने वाले वाहनो को जप्त कर कठोर करवाई करने का आश्वासन दिया गया,साथ ही उन्होंने दो व्यवसायियों द्वारा गौशाला के आसपास प्रदूषित पानी गिराने पर सख्त कारवाई करने का भी आश्वासन दिया। उन्होने गौशाला कमिटी के चुनाव के साथ ही सदस्यो को गोशाला की जमीन की मापी कराकर घेराबंदी कराने, नया सदस्य बनाने, गौशाला के बिल्डिंग के किराये में वृद्धि करने पर भी जोर दिया। वही सदस्यो ने बताया कि गोशाला की जमीन पर चल रहे लोक स्वास्थ्य अवर प्रमंडल चकिया द्वारा रूम का भाड़ा नहीं दिया जा रहा है।इस दौरान गौशाला जाने वाले रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करने का भी मुद्दा उठाया गया। इस पर चकिया एसडीओ ने भगवान स्वीटस व अलम्युनियम फैक्ट्री सहित सभी अतिक्रमणकारियो पर समुचित कारवाई करने का आश्वासन दिया गया।मौके पर गौशाला सचिव संदीप सुल्तानिया, उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, कार्यकारणी सदस्य में गोपाल रूंगटा, प्रेम चनानी, संतोष सेक्सरिया, विजय तोदी, श्याम सुन्दर तोदी, व समाजिक कार्यकर्ता विजय लोहिया शामिल थे।

तेतरिया में पैक्स चुनाव का मतगणना में पुनास लहलादपुर पैक्स से चौथी बार संजय निराला अध्यक्ष निर्वाचित हुए

तेतरिया में पांच पैक्स में से दो पैक्स में अध्यक्षपद पर महिला विजयी हुई

बीएनएम। तेतरिया

तेतरिया प्रखंड में हुए पैक्स चुनाव का मतगणना सोमवार को चुनाव प्रवेक्षक चनपटिया नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी रमन कुमार के देख रेख में श्री जानकी साह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सात में 5 पैक्स का परिणाम घोषित कर दिया गया है। बीडीओ सह निर्वाची पदाधिकारी राधवेंद्र कुमार ने सभी निर्वाचित अध्यक्ष, सदस्य को प्रमाण पत्र दे दिया।पुनास लहलादपुर पैक्स से अध्यक्ष पद पर चौथी बार संजय कुमार निराला 511 मतों से विजयी हुए। नरहा पानापुर पैक्स से अध्यक्ष पद पर दिनेश कुमार यादव 82 मत से विजयी हुए। तेतरिया पैक्स से अध्यक्ष पद पर रेणु देवी 163 मत से विजयी हुई।घेघवा पैक्स से अध्यक्ष पद पर बबिता देवी 59 मत से विजयी हुई। कोठिया पैक्स से अध्यक्ष पद पर मनोज कुमार कुशवाहा 68 मत से विजयी हुए। मघुआहावृत से अध्यक्ष पद पर मनोज कुमार 211मत से,मेघुआ सगहरी पैक्स से अध्यक्ष पद पर बबलू कुमार यादव 88 मत से विजयी हुए।

भाजपा ने दांव बहुत कायदे से आजमाया

अजीत द्विवेदी

हरियाणा और महाराष्ट्र दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे हैरान करने वाले थे। दोनों राज्यों में सामान्य समझ यह कह रही थी कि भाजपा का गठबंधन चुनाव हार रहा है। तमाम पत्रकार, सर्वेक्षण करने वाली एजेंसियां, राजनीतिक विश्लेषक और पार्टियों के नेता भी यह मान रहे थे कि दोनों राज्यों में भाजपा के खिलाफ माहौल है। पांच महीने पहले दोनों राज्यों में लोकसभा चुनाव में भाजपा को झटका लगा था। महाराष्ट्र में उसकी सीटें 23 से घट कर नौ और हरियाणा में 10 से घट कर पांच रह गई थीं। हरियाणा में तो सत्ता विरोधी लहर को कम करने के लिए भाजपा ने साढ़े नौ साल मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर को हटा दिया था और उनकी जगह नायब सिंह सैनी को सीएम बनाया था। हालांकि उन सैनी की इच्छा के विपरीत उनकी विधानसभा सीट बदल दी गई थी। वे चुनाव जीतने के लेकर कई कतई आशान्वित नहीं थे। तभी आठ अक्टूबर को वोटों की गिनती के दौरान शुरुआती रूझानों में जब भाजपा बहुत पिछड़ गई तो उन्होंने सामने आकर हार स्वीकार कर ली और कहा कि अगर भाजपा हारती है तो उसकी जिम्मेदारी उनकी होगी, पार्टी आलाकमान की नहीं होगी। लेकिन उसके चंद मिनटों के बाद ही सारी तस्वीर बदल गई और भाजपा ने बड़ी जीत हासिल कर ली। हरियाणा में चुनाव नतीजों के बाद कहा गया कि पिछड़ी जाति के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाना भाजपा का मास्टरस्ट्रोक था, जिससे 36 फीसदी पिछड़ी जातियां एकजुट हो गईं और भाजपा जीत गई। यही तर्क महाराष्ट्र की आश्चर्यजनक जीत के पीछे भी दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि भाजपा ने मराठा ध्रुवीकरण के मुकाबले पिछड़ी जातियों को एकजुट किया। इसके लिए सरकारी स्तर पर भी प्रयास किए गए और राजनीतिक स्तर पर भी। तभी करीब 38 फीसदी पिछड़ी जातियां भाजपा और उसके गठबंधन के पक्ष में एकजुट हो गईं। जीत के पीछे अगर यह कारक है तो यह एक बहुत बड़ी परिघटना है। इसके आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि जिस राज्य में भी नब्बे के दशक में मंडल की राजनीति बहुत असरदार नहीं थी या जहां मंडल की राजनीति का विरोध था या जहां मंडल की राजनीति से बड़े नेता नहीं निकले या जहां ओबीसी की आबादी 50 फीसदी से कम है वहां भाजपा ओबीसी वोट की मुख्य हकदार बन गई है। उन राज्यों में कांग्रेस या विपक्ष का ओबीसी का दांव यानी जातिगत गणना कराने या आरक्षण बढ़ाने या ओबीसी का चेहरा आगे करने का दांव काम नहीं कर रहा है। ऐसा नहीं है कि यह परिघटना अनायास घटित हो रही है। भाजपा इसके लिए प्रयास भी कर रही है। उसने अलग अलग राज्यों में जातियों के बीच की फॉल्टलाइन को समझा है और मजबूत व दबंग जातियों के खिलाफ अपेक्षाकृत कमजोर जातियों को खड़ा किया है। यह समाज का विभाजन कराने वाली बात है लेकिन दुर्भाग्य से भारत की राजनीति ऐसे ही विभाजन पर फल फूल रही है। अगर हरियाणा की बात करें तो भाजपा ने वहां पहले दिन से गैर जाट राजनीति की। उसने 2014 में चुनाव जीतने के बाद पंजाबी समुदाय के मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया। इसकी प्रतिक्रिया में 2019 के चुनाव में जाट ध्रुवीकरण पूरी तरह से भूपेंदर सिंह हुड्डा के नाम पर कांग्रेस के साथ हो गया। इसे अवसर मान कर भाजपा ने 2024 में खट्टर को हटा दिया और पिछड़ी जाति के नायाब सिंह सैनी को सीएम बना दिया। इसमें भी भाजपा ने बड़ी होशियारी से गैर यादव पिछड़ी जाति का चेहरा आगे किया क्योंकि हरियाणा के इतिहास में अब तक उनका कोई सीएम नहीं बना था। सो, उसने अपेक्षाकृत कमजोर पिछड़ी जाति का नेतृत्व आगे करके एक नई जातीय अस्मिता को जन्म दिया। इसका फायदा उसको चुनाव में मिला। जब हरियाणा का चुनाव शुरू हुआ तब तक अनुसूचित जातियों के आरक्षण में वर्गीकरण का सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ चुका था। भाजपा ने सरकारी स्तर पर इसे लागू करने का ऐलान तो नहीं किया लेकिन राजनीतिक स्तर पर इसे लागू कर दिया। उसने राज्य की एससी आरक्षित सीटों पर जाटव की बजाय अपेक्षाकृत कमजोर दलित जातियों के उम्मीदवार ज्यादा उतारे। दूसरी ओर जाटव वोट बांटने के लिए बहुजन समाज पार्टी व इनेलो और आजाद समाज पार्टी व जननायक जनता पार्टी का गठबंधन था। यह गठबंधन अपने आप बना या उसके पीछे कोई प्रबंधन था, वह अलग अटकल का विषय है। परंतु जाटव वोट बंटे और गैर जाटव वोट भाजपा के साथ जुड़े। इस तरह भाजपा ने सबसे मजबूत और दबंग जाटों को और दलितों में जाटवों को अलग थलग किया और कमजोर पिछड़ी जाति का सीएम बना कर उनके साथ कमजोर दलित समूहों को जोड़ा। जाट शाही की वापसी के हल्ले में 36 बिरादरी को भाजपा ने एक किया। चुनाव के बाद पहली कैबिनेट में जिस तरह से नायब सिंह सरकार ने अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का फैसला लागू किया उससे साफ हो गया कि चुनाव में कैसे उसने इस दांव का प्रयोग किया था। इसी तरह महाराष्ट्र में भाजपा ने मराठा आरक्षण का इस्तेमाल अपने हक में किया। असल में जिस मराठा आरक्षण को भाजपा के लिए खतरा माना जा रहा था उसने उसको अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया। भाजपा के समर्थन वाली एकनाथ शिंदे सरकार ने मराठाओं को ओबीसी कोटे में आरक्षण देने का फैसला किया, जिससे ओबीसी समूह नाराज हुए। इसका मकसद मराठा बनाम ओबीसी के विवाद को बढ़ाना था। दोनों के बीच पहले से फॉल्टलाइन थी, जिसे भाजपा ने और बड़ा कर दिया। यह एक जोखिम भरी रणनीति थी, लेकिन भाजपा को पता था कि वह इसे हैंडल कर सकती है। उसने मराठाओं और पिछड़ी जातियों का झगड़ा बढने दिया।

राज्य की ओबीसी राजनीति के सबसे बड़े चेहरे छगन भुजबल को इस आग में घी डालने दिया गया। उन्होंने ओबीसी की रैलियां कराईं और उनको जाग्रत कर दिया। इसके बाद यह नैरेटिव सेट किया गया है कि मराठा वोट शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के साथ हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले खुद सबसे मजबूत पिछड़ी जाति कुनबी से आते हैं लेकिन वे भाजपा के इस नैरेटिव को काउंटर नहीं कर सके। भाजपा ने जैसे हरियाणा में जाट और मुस्लिम बनाम अन्य का माहौल बनाया उसी तरह महाराष्ट्र में मराठा और मुस्लिम बनाम अन्य का मुकाबला बना दिया। उसने इसके लिए 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा भी चलने दिया और 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' का नारा भी चलने दिया और वोट जिहाद का नैरेटिव बिल्कुल नीचे तक जाने दिया। इससे ध्रुवीकरण कराने में उसको फायदा हुआ। राज्य में 20 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम आबादी वाली 38 सीटों में से भाजपा और उसके सहयोगियों ने 22 सीटें इसी रणनीति से जीतीं।

ऐसा नहीं है कि भाजपा ने सिर्फ राजनीतिक रणनीति, नारे या नैरेटिव के स्तर पर खेल किया। उसने सरकारी स्तर पर भी इसके लिए बहुत प्रयास किए। सबसे पहले तो इस सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्वकर्मा सम्मान योजना का जिक्र किया जा सकता है। यह एक गेमचेंजर योजना है, जिसने बिल्कुल कमजोर और वंचित पिछड़ी जातियों को उनके पारंपरिक रोजगार में मदद की। अगर महाराष्ट्र की बात करें तो वहां राज्य सरकार ने करीब 20 उप निगम यानी सब कॉरपोरेशन बनाए, जिनके जरिए पिछड़ी जातियों के अंदर छोटी छोटी उपजातियों और समूहों की मदद करने का प्रयास किया गया। इसका फायदा यह हुआ कि इन उपजातियों और समूहों की अपनी अस्मिता सामने आई। सरकार ने संत कशीबा गुरव युवा फाइनेंस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन बनाया, यह गुरव जाति के लिए था। लिंगायतों के लिए जगद्ज्योति महात्मा बासवेश्वर फाइनेंस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, नाभिकों के लिए संत सेनाजी केशशिल्पी फाइनेंस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, बारी समुदाय के लिए संत नरहरि महाराज फाइनेंस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और राष्ट्रसंत श्रीरूपलाल महाराज फाइनेंस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का गठन किया। यह सूची बहुत लंबी है। संक्षेप में इतना कहा जा सकता है कि लोनारी, तेली, हिंदू खटिक, लोहार, सिम्पी, गवली, गूजर, लेउवा पटेल, वानी, वादर, बेदार, गोंढारी, डोम्बारी, नाथपंथी आदि समुदायों के लिए फाइनेंस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का गठन किया गया। विदर्भ की 62 में से करीब 36 सीटों पर भाजपा का यह दांव बहुत काम आने वाला था।

सो, कमजोर ओबीसी जातियों की पहचान करने, उन्हें मजबूत जातियों के खिलाफ खड़ा करने और उनके महापुरुषों के नाम से योजना शुरू करके या उप निगम बना करके उनकी अस्मिता को बड़ा करने का का दांव भाजपा ने बहुत कायदे से आजमाया। ध्यान रहे यह काम राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने बहुत बारीकी से उत्तर प्रदेश और कई अन्य राज्यों में किया है, जहां अनेक ऐसी जातियों की पार्टियां बन गई हैं और प्रभावी हो गई हैं, जो पहले बिल्कुल हाशिए में थीं। बहरहाल, महाराष्ट्र में हाशिए की इन जातियों को भाजपा ने मुख्यधारा में शामिल किया। इस तरह पारंपरिक अगड़ी और कट्टर हिंदू जातियों के साथ साथ उसने पिछड़ी जातियों की अस्मिता को उभार कर और उन्हें मजबूत जातियों के खिलाफ खड़ा करके सफलता हासिल की। यह काम भाजपा झारखंड में नहीं कर पाई। गैर आदिवासी राजनीति शुरू करने के बाद वह पीछे हट गई। इसका उसको नुकसान हुआ। इस पर कल विचार करेंगे।

अडानी विवाद की संसदीय जांच की मांग

अमेरिका के न्याय मंत्रालय ने कहा है कि वहां सौर ऊर्जा संबंधी ठेके दिलवाने और उन परियोजनाओं में पैसा लगाने पर अमेरिकी निवेशकों को राजी करने के लिए अडानी ने भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का वादा किया। उद्योगपति गौतम अडानी और उनके कारोबार पर अब बड़ा घेरा पड़ गया है। नया मामला हिंडनबर्ग रिपोर्ट जैसा नहीं है, क्योंकि इस बार अडानी और उनके उद्योग समूह से जुड़े कई प्रमुख लोगों पर अभियोग अमेरिका के न्याय मंत्रालय ने लगाया है। जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका में सौर ऊर्जा संबंधी ठेके दिलवाने और उन परियोजनाओं में पैसा लगाने पर अमेरिकी निवेशकों को राजी करने के लिए अडानी ने भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का वादा किया। जिन पर अभियोग लगा है, उनमें गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अडानी समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी के बड़े अधिकारी विनीत एस. जैन शामिल हैं। खबरों के मुताबिक अमेरिकी की अदालत में पेश करने के लिए वहां के अधिकारी आरोपित व्यक्तियों के प्रत्यर्पण की मांग भारत सरकार से कर सकते हैं। भारत सरकार इस पर राजी होगी या नहीं- यह दीगर बात है। निर्विवाद रूप से ताजा घटना अडानी के लिए उससे कहीं बड़ा झटका है, जैसा पिछले साल उसे हिंडनबर्ग रिपोर्ट से लगा था।

उस रिपोर्ट में इल्जाम लगाया गया था कि अडानी समूह ने अपने शेयरों के भाव को फर्जी ढंग से बढ़ाया और एकाउंटिंग में धोखाधड़ी की। ताजा खबर के ठीक पहले शेख हसीना सरकार के समय बांग्लादेश में अडानी को हुए बिजली परियोजना आवंटन की जांच के लिए विशेषज्ञों की समिति बनाने का समाचार आया था। यह भी चर्चा है कि श्रीलंका की नई सरकार वहां अडानी समूह को मिली परियोजना की समग्र जांच कराने पर विचार कर रही है। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में अडानी की परियोजनाओं पर भी हाल में विवाद बढ़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डॉनल्ड ट्रंप के जीतते ही गौतम अडानी ने वहां दस बिलियन डॉलर के निवेश का एलान किया था। अब यह इरादा भी खटाई में पड़ सकता है। इन तमाम सूचनाओं से भारतीय शेयर बाजार को हिचकोले लगना और साथ ही देश में सियासी विवाद गरमाना लाजिमी है। उचित तो यह है कि कम-से-कम अब नरेंद्र मोदी सरकार अडानी विवाद की संसदीय जांच कराने पर राजी हो जाए।

बाइडन बहुत कमज़ोर राष्ट्रपति साबित हुए

जो बाइडन का राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल अंत की ओर है। उन्हें जनवरी में व्हाइट हाउस छोड़ना है इसलिए उन्हें अपना सामान बांधना है तो अपनी विरासत को भी संवारना है। उन्होंने 44वें राष्ट्रपति के रूप में जब पद संभाला था तब उन्हें उम्मीद थी कि वे ऐसी विरासत छोड़ जाएंगे जिसके चलते उन्हें फ्रैंकलिन डी रूज़वेल्ट (एफडीआर) के बाद अमेरिका के सबसे प्रगतिशील राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाएगा। लेकिन तकदीर को कुछ और मंजूर था। बाइडन बहुत कमज़ोर राष्ट्रपति साबित हुए है और वे कलह से भरी दुनिया छोड़े जा रहे हैं। कोई शक नहीं कि जो बाइडन का पद छोडऩा और डोनाल्ड ट्रंप का उनकी जगह लेना सत्ता के अन्य हस्तांतरणों की तुलना में बहुत डरावना है क्योंकि कई युद्ध जारी हैं। एक नयी जंग छिडऩे के आसार नजऱ आ रहे हैं। बाइडन प्रशासन अपने अंतिम दिनों में अधिक से अधिक काम निपटाने में जुटा हुआ है। उसे पर्दा गिरने से पहले बहुत कुछ करना है। पहला मसला है यूक्रेन का। बाइडन ने बहुत समय बर्बाद करने के बाद यूक्रेन को अमेरिका द्वारा दी गईं लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। वे पूरी कोशिश कर रहे हैं कि कांग्रेस ने यूक्रेन की सैन्य सहायता के लिए 6 अरब डालर की जो मंजूरी दी थी, उसकी बची हुई रकम उनके व्हाइट हाउस छोडऩे के पहले खर्च कर दी जाए। इस हृदय परिवर्तन का कारण शायद यह है कि रूस की मदद के लिए हजारों उत्तर कोरियाई सैनिकों को अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है जिसे अमेरिका युद्ध के विस्तार के रूप में देख रहा है। पश्चिमी मिसाइलों का इस्तेमाल रूस के भीतरी इलाकों पर हमले के लिए करने की इजाजत यूक्रेन को देकर बाइडन ने न केवल उत्तर कोरिया को बल्कि पुतिन को भी सन्देश दिया है। हालांकि इस फैसले से अग्रिम मोर्चों पर यूक्रेन की कमजोर स्थिति में कोई नाटकीय बदलाव नहीं होगा, लेकिन इससे यूक्रेन का मनोबल बढ़ेगा और 20 जनवरी के बाद ट्रंप की पहल पर होने वाली संभावित वार्ताओं में उसका पक्ष मजबूत होगा। ऐसा बताया जाता है कि ट्रम्प ने पुतिन को फ़ोन कर कहा है कि वे युद्ध को और तेज न करें। मगर क्रेमलिन का कहना है कि ऐसा कोई फ़ोन नहीं आया। दूसरा मसला है पश्चिम एशिया में युद्ध का। गाजा में शुरू हुआ युद्ध लेबनान तक पहुंच गया है और अब शायद उसकी लपटें ईरान तक पहुँच जाएँ। इस मामले में एक और नया घटनाक्रम है। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की बात कही है। बाइडन ने इसे असहनीय बताकर अमेरिका के पाखण्ड को उजागर किया है। फिर युद्धविराम की बातें भी हो रही हैं। इजराइल की कैबिनेट ने कल रात एक बैठक में हिजबुल्ला के खिलाफ 14 महीनों से चल रहे युद्ध को विराम देने को मंजूरी दी है। पहले से लिखी जा चुकी पटकथा का यह बहुत खूबसूरत मंचन था। नेतन्याहू ने टेलीविजऩ पर आकर अपने देश की जनता को समझौते के बारे में बताया। फिर जो बाइडन ने व्हाइट हाउस के रोज़ गार्डन में इसे एक 'ऐतिहासिक मौका' बताया। अब ऐसी उम्मीद है कि युद्ध ख़त्म हो सकता है। अमेरीका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, "हमास का पहले दिन से ही प्रयास रहा है कि वह इस युद्ध में दूसरों को भी घसीट ले। अगर उसे लगेगा कि नए दस्ते लड़ाई के मैदान की ओर कूच नहीं कर रहे हैं तो हमास वह करेगा जो इस लड़ाई को ख़त्म करने के लिए ज़रूरी है।" अमेरिका को अब उम्मीद है कि लेबनान के साथ हुए समझौते से गाजा में चल रही लड़ाई रुकेगी। जो हुआ उससे डोनाल्ड ट्रम्प खुश नहीं होंगे। उन्होंने अक्टूबर में लेबनानी-अमरीकी मतदाताओं से वायदा किया था कि वे उनकी मातृभूमि में लड़ाई बंद करवा देंगे। मगर बाइडन के शांति दूत बन जाने से वे यह श्रेय लेने से वंचित रह गए हैं। बाइडन अब केवल 55 दिनों तक राष्ट्रपति रहेंगे। जाहिर है कि वे जल्दी में हैं।

लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र विस चुनाव के बीच क्या बदला

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

2024 का आम चुनाव ऐसी सरकार के लिए चेतावनी है जिसने शानदार प्रदर्शन किया और लंबे समय से चली आ रही जटिल चुनौतियों का समाधान भी किया। इस चुनाव से पहले दो महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं: पहली मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में भारी जीत और दूसरी 500 वर्षों में सबसे बड़ी घटना, 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राममंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा। ऐसा लग रहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए पूरे देश में गति पकड़ रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कद तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए, "अब की बार चार सौ पार" का नारा चुनाव की मुख्य दिशा बन गया। हालांकि, ऐसा लग रहा था कि एनडीए के नेता और उनकी जमीनी टीम और समर्थक यह मानकर निश्चिंत थे कि "मोदी है तो मुमकिन है।" 400 या उससे अधिक सीटों के साथ एक सुनिश्चित जीत के बारे में इस आत्मसंतुष्टि ने उन्हें वैश्विक डीप स्टेट ताकतों से बेखबर कर दिया, जो इंडी गठबंधन, शहरी नक्सलियों, कम्युनिस्टों और मार्क्सवादियों के समर्थन से एक टीम बना रहे थे ताकि देशभर में लोगों का ब्रेनवॉश करने के लिए फर्जी कहानियां गढ़ी जा सकें। इस तरह की सावधानीपूर्वक योजना, साथ ही झूठी कहानियां गढ़ने और उन्हें प्रत्येक घर में वितरित करने के लिए बड़ी मात्रा में धन के उपयोग ने मोदी सरकार में लोगों के विश्वास को हिला दिया। 400 सीटें मिलने पर संविधान को खत्म करना, आरक्षण को हटाना, बेरोजगारी बढ़ना, मोदी सरकार द्वारा भारी कर्ज के कारण देश को बेचना और इस तरह की कई अन्य फर्जी कहानियां लोगों का ब्रेनवॉश करने में काफी प्रभावी रहीं। इसका काफी असर हुआ है, जिसमें भाजपा को सिर्फ 240 सीटें मिलीं। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने गए लेकिन उन्होंने पार्टियों के समर्थन और शुरुआत में कम आत्मविश्वास के साथ ऐसा किया। हालाँकि, गांधी परिवार, इंडी गठबंधन, धार्मिक चरमपंथियों, धर्मांतरण माफियाओं, शहरी नक्सलियों, वोक और वैश्विक बाजार की ताकतों की ढहती मानसिकता ने अचानक उनके आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ा दिया। उन्होंने मोदी के लिए कम सीटों की व्याख्या इस संकेत के रूप में की कि हिंदुओं ने खुद को पीएम मोदी से दूर कर लिया है और हिंदुत्व की हार हुई है। उनका मानना था कि जाति के आधार पर हिंदुओं को अलग करना और झूठी कहानियों का इस्तेमाल करकर भ्रमित करना आसान था। हिंदुत्व अब हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। आत्मविश्वास में वृद्धि इतनी अधिक थी कि कई मुस्लिम प्रचारकों और चरमपंथियों ने हिंदुओं, हिंदू देवताओं और संस्कृति पर हमला करना शुरू कर दिया, अपनी ताकत का प्रदर्शन करने और पाकिस्तान और फिलिस्तीन के झंडे फहराने के लिए विभिन्न स्थानों और समय पर बड़ी सभाएँ आयोजित कीं। राहुल गांधी और कुछ अन्य इंडी गठबंधन के नेताओं ने हिंदुत्व पर प्रहार करना शुरू कर दिया, इस्लामी और ईसाई अनुष्ठानों और देवताओं की प्रशंसा करते हुए हिंदू संस्कृति और देवताओं को गाली दी। राहुल गांधी ने हिंदू एकता को कमजोर करने के लिए संविधान और आरक्षण के बारे में गलत जानकारी फैलाना शुरू कर दिया। वक्फ बोर्ड की मांगें प्रमुखता से उभरने लगी और जवाहरलाल नेहरू के वक्फ अधिनियम के तहत हिंदुओं की भूमि और संपत्ति की मांग करने लगे, जिसे बाद में सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकारों ने मजबूत किया था। राहुल गांधी और उनके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने मोदी सरकार के वक्फ सुधार विधेयक का आक्रामक रूप से विरोध किया, जिसे हिंदुओं की रक्षा के लिए पेश किया गया था।

हिंदू जागरण की शुरुआत-जिस तरह आम चुनाव के दौरान और उसके बाद हिंदुओं और हिंदुत्व को निशाना बनाया गया, उससे हिंदुओं को साफ पता चल गया कि यह देश भविष्य में शरिया कानून और गहरी वैश्विक शक्तियों की इच्छाओं के अनुसार आगे बढ़ेगा। हिंदू (बौद्ध, जैन, सिख) आध्यात्मिक और धार्मिक गुरु, आरएसएस, वीएचपी और अन्य संगठनों ने हिंदू समुदाय के विभाजन के खतरों और राजनीतिक हिंदुत्व पर इसके प्रभाव को पहचान लिया। इसलिए वे सभी एक साथ आ गए।

हिंदुत्ववादी ताकतों ने जमीनी परिदृश्य को बदल दिया।- आरएसएस, वीएचपी और अन्य हिंदुत्व संगठनों की मदद से एकजुट धार्मिक और आध्यात्मिक गुरुओं ने वक्फ बोर्ड अधिनियम, लव जिहाद, शरिया कानून, वोट जिहाद के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हिंदुओं की बड़ी सभाओं को संबोधित करके फर्जी आख्यानों पर काम करना शुरू कर दिया। कैसे इस्लामी शासन बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को नष्ट कर रहा है, मदरसा घृणित शिक्षा और इसके वित्तपोषण, हिंदुओं का धार्मिक रूपांतरण और इसके घातक प्रभाव और कैसे एकजुट हिंदू संविधान को विनाशकारी ताकतों से बचा सकते हैं। इस ज्ञान ने हिंदू समुदाय में एक बड़ी सकारात्मक लहर पैदा की, और उन्होंने पहचाना कि एकता कितनी महत्वपूर्ण है, यही वजह है कि 2019 और मौजूदा लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार विधानसभा चुनावों में वोट प्रतिशत में वृद्धि हुई है। यहां तक कि भाजपा ने हिंदुओं या हिंदुत्व के लिए झूठे सेक्युलरीजम के किडे को दरकिनार कर दिया जिसके कारण विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण लाभ कमाया। कोई भी मीडिया आलोचना उन्हें हिंदुत्व के कारण का खुलकर समर्थन करने से नहीं रोक सकी। हिंदू और हिंदुत्व भाजप के केंद्र में रहे। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नारे "एक है तो सुरक्षित है" और "बटेंगे तो कटेंगे" ने हिंदुओं में जबरदस्त जागृति पैदा की। श्रेष्ठता और हीनता का सीमित जातीय दृष्टिकोण टूट गया है और हिंदू हरियाणा और महाराष्ट्र में इकठ्ठा मतदान करते दिखे। मुस्लिम नेता सज्जाद नोमानी और अन्य मौलवी और मुस्लिम संगठनों द्वारा इंडी गठबंधन को वोट देने के लिए "फतवा" जारी करने से हिंदू एकता बढ़ी है। धुले, महाराष्ट्र लोकसभा सीट वोट जिहाद को हिंदुओं को समझाया गया कि अगर वोट जिहाद के परिणामस्वरूप ऐसी सरकार बनती है जो मुसलमानों की महाराष्ट्र धर्म और सनातन धर्म विरोधी 17 मांगों को पूरा करती है तो यह पूरे हिंदू समुदाय के लिए कितना खतरनाक होगा। हिंदुत्ववादी ताकतों के संयुक्त प्रयासों ने हिंदू एकता को मजबूत किया और साथ ही सभी राजनीतिक दलों, खासकर हिंदुत्व का विरोध करने वाले और शरिया का समर्थन करने वालों को एक मजबूत संकेत दिया कि हिंदुओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता है और उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक नहीं माना जाना चाहिए।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच समंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। व्यवसाय कर रहे लोग व्यवसाय को आगे बढ़ाने में कामयाब होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। नए वाहन का सुख प्राप्त होगा।

वृष राशिः आज आपके दिन की शुरुआत शांत मन होगी। आज आपके धन-धान्य में वृद्धि होने के योग हैं। आप दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आपकी सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव बना रहेगा। तली-भुनी चीजें खाने से आपको बचना चाहिए।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। छात्र छात्राओं को अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। कुछ नए विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिसमें गुरुजनों का साथ मिलेगा।

कर्क राशिःआज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपको महसूस होगा की परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व है। आपको ऐसी जगह से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहां से आपने कभी कल्पना भी नहीं की हो। जीवन साथी की वजह से आपकी कोई योजना या कोई कार्य बन सकता है , लेकिन धैर्य बनाए रखें।

सिंह राशिः आज आपकी दिनचर्या अच्छी रहेगी। आज आपके अंदर पॉजिटिविटी बनी रहेगी, जिससे आपका मन काम करने में लगा रहेगा। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। ऑनलाइन बिजनेस कर रही महिलाओं की इनकम में इजाफा होगा। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करने के लिए आगे आएंगे। इवेंट मनेजमेंट की पढाई कर रहे स्टूडेंट आज कुछ क्रिएटिव कर सकते हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए दिन बदलाव से भरा रहने वाला है। जो लोग पैतृक व्यवसाय कर रहे हैं व्यवसाय में कुछ बदलाव के लिए अपने पिताजी से बातचीत करेंगे। आज पड़ोस में हो रहे भजन, कीर्तन में परिवार के साथ सम्मिलित होंगे। आज आपकी वाणी में मधुरता का भाव रहेगा। राजनीति में सफलता प्राप्त होगी, सभा को संबोधित करने का मौका मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अपने माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, कुछ समय बिताएंगे जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। भाई, बहनों का सहयोग मिलेगा। आपको किसी से दूरसंचार से शुभ सूचना मिल सकती है, घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, मौसम में परिवर्तन की वजह से थोड़ी परेशानी हो सकती है। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढेगा, लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बना के रखें, किसी के विवाद में न पड़ें। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों की अच्छी इनकम होगी। प्रॉपर्टी से जुडी समस्याओं के लिए भागदौड़ के उपरांत काम बन जायेगा। सगे सम्बन्धियों से अच्छे तालमेल बनेंगे। आज किसी असहाय की सहायता करने का मौका मिलेगा। आज आप किसी थीम पार्क घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं, जहां अपने मित्रों के साथ खूब इंजॉय करेंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आज आपकी उदासी की वजह आपकी नेगेटिव सोच हो सकती है। आपको परिवार में फिर से खुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द से जल्द इस से बाहर आने की जरूरत है। बच्चे उम्मीदों पर खरे ना उतर कर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। रुका हुआ धन का आगमन होगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना होगी, दांपत्य जीवन का सुख मिलेगा। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

मीन राशिःआज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे। कोई नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और आपका सम्मान भी बढ़ेगा।

शब्द सामर्थ्य -254

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे
2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 253 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा		म	हा	र	त
क		ह					ज	न
	जा	न	की		क	म	नी	य
		त	म	क	ना			
म			त	ह	त		दा	ब
सी	मा			ला		स	न	द
हा	थ	म	ल	ना		वा		च
		द			घा	ल	मे	ल
	ब	द	ह	वा	स			न

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भविष्य को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन : हरभजन

मुंबई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टीम प्रबंधन अब भविष्य को देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को तैयार करे। युवा वाशिंगटन सुंदर कोच को गौतम गंभीर भी पसंद करते हैं। हरभजन के अनुसार अभी तक आर अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है पर अब आने वाले समय को देखते हुए उनका विकल्प तैयार रखना होगा। अश्विन ने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है प अब उनकी उम्र बढ़ती जा रही है।

हरभजन ने कहा कि अब अश्विन 38 साल है इसलिए टीम प्रबंध्न वाशिंगटन सुंदर को को अवसर दे रहा है क्योंकि जब भी अश्विन संन्यास लेंगे तो वह उनके साथ होगा। टीम को लगता है कि उन्हें वाशिंगटन को तैयार करना है इसलिए मुझे लगता है कि वे उसी राह पर काम कर रहे हैं।

भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिसंबर से शुरु होने वाले दिन-रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है। भारतीय टीम अपनी इसमें अपनी अंतिम 11 को लेकर संशय में है। टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा वापस टीम से जुड़ चुके हैं। वहीं शुभमन गिल भी अंगूठे की चोट से उभरने के बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में पहले टेस्ट की विजेता टीम से दो लोगों को बाहर रखन होगा।

डब्यूटीसी फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका हैं प्रबल दावेदार

नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां तक कि यहां तक कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड से हारकर भी फाइनल की रेस से पूरी तक बाहर नहीं हुई है। दौड़ में बने रहने उसे अपने बाकी बचे दो मैच जीतने होंगे। इसके अलावा उम्मीद करनी होगी कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से हराए। दक्षिण अफ्रीका की टीम श्रीलंका को 2-0 और पाकिस्तान को 2-0 या 2-1 से हराए। फिर श्रीलंका की टीम ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराए या सीरीज 1-1 से बराबर रहे। भारतीय टीम ने पिछली 2 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी अपनी घरेलू धरती पर पाकिस्तान और श्रीलंका को कई बार हराया है। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया को 4-0 या 4-1 से सीरीज में हराए तो उसका फाइनल खेलना तय है। वहीं अगर भारत अगर 3-2 से सीरीज जीते तो उसके 58.77 अंक रहेंगे। ऐसा होने पर उसे चाहिये होगा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका से सीरीज ना जीते। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से 3-2 या 2-1 से जीती तो दूसरी टीमों के प्रदर्शन से उसका फाइनल में पहुंचना तय होगा। वहीं यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम यदि भारत को 3-1, 4-1 सर 4-0 से हराए और फिर श्रीलंका से भी सीरीज जीते तो फाइनल में पहुंचेगी। . यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से 2-1 से जीते और फिर श्रीलंका को 2-0 से हराए तो भी फाइनल में पहुंच सकती है। इसके अलावा अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से सीरीज हार जाए और उसके बाद श्रीलंका को 2-0 से हराए तो तो भी वह फाइनल में पहुंच जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावना सबसे अधिक है. उसके डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 59.26 अंक (परसेंट) हैं। उसे अभी 3 मैच और खेलने हैं। उसके तीनों ही मैच घर पर हैं. इनमें से दो मैच जीतकर भी वह फाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकता है। अगर श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज बराबर करा ले तो उसके 54.55 अंक (परसेंट) हो जाएंगे। अगर श्रीलंका की टीम इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को अपने घरेलू सीरीज में दोनों मैच हरा दे तो वह 61.54 अंक (परसेंट) तक पहुंच सकती है, जो वह आसानी से फाइनल में पहुंच जाएगी। अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से 2-1 से सीरीज जीते तो उस पर फाइनल से बाहर होने का पूरा खतरा बना रहेगा। ऐसा होने पर भारत के 57.02 अंक (परसेंट) रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया को भारत के बाद श्रीलंका में भी सीरीज खेलनी है। अगर ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका की सीरीज 1-1 से बराबर रहे तो वह बाहर हो जाएगी।

दूसरी सबसे बड़ी लीग बनती जा रही एसए20 : स्मिथ

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीकी अफ्रीकी किकेट लीग एसए20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की राह पर है। स्मिथ एसए20 लीग के आयुक्त हैं और उनका लीग को इस स्तर तक आने में विशेष योगदान रहा है। एसए20 का आयोजन पहले दो सत्र में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही किया गया था पर इस बार यह लीग नए साल में होने वाले टेस्ट मैच के बाद खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ी भी इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता के तीसरे सत्र में भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे। वह इस लीग में इसमें खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे। स्मिथ ने कहा,''यह कहना सही नहीं लगता कि आप दुनिया की दूसरे नंबर की लीग बनना चाहते हैं पर सच्चाई यही है कि आईपीएल का कोई जवाब नहीं है। वह अविश्वसनीय टूर्नामेंट है जिसने क्रिकेट को बदल कर रख दिया'' उन्होंने कहा,''हम भाग्यशाली हैं कि हमने आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी को अपनी तरफ आकर्षित किया है। हमने एसए20 को आगे बढ़ाने के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर काम किया। हमें उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।'' कार्तिक इस टूर्नामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह लीग के भारत के दूत भी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद एसए20 सबसे अच्छी प्रतियोगिता थी जिसमें वह भाग ले सकते थे। कार्तिक ने कहा,''जब मैंने आईपीएल के बाद संन्यास लेने की घोषणा की तो तब भी मैं क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता था। मैं सोच रहा था कि मेरे लिए क्या विकल्प है और इसका पता कैसे करना है क्योंकि मैं कभी किसी अन्य लीग का हिस्सा नहीं रहा।'' उन्होंने कहा,''मैंने उन खिलाड़ियों से पूछा जो अन्य लीग का हिस्सा रहे हैं और एक बात जो सर्वसम्मति से सामने आई, वह यह थी कि एसए20 अभी आईपीएल के बाद सबसे बेहतर टूर्नामेंट है।

विश्व कप जीतने की कमी 2026 में पूरी करना चाहते हैं हरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारत की सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह अपने करियर में आज तक विश्व कप में पदक नहीं जीत पाये हैं और इस कमी को 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं। उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से ही भारतीय टीम विश्वकप में पदक नहीं जीत पायी है। हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक खेलों में उनकी कप्तानी में टीम ने कांस्य पदक जीता था। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमारा लक्ष्य एफआईएच प्रो लीग के मैच हैं। हम एशिया कप में जीत दर्ज करते विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं। हरमनप्रीत ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपने करियर के दौरान उन सुनहरे दिनों को फिर से हासिल कर सकेंगे।

ईसीबी ने पीएसएल सहित विश्व की अन्य फ्रेंचाइजी लीगों में अपने खिलाड़ियों के खेलने पर रोक लगायी

- केवल आईपीएल में ही खेल सकेंगे

लंदन। इंग्लैंड के खिलाड़ी अब पाकिस्तान सुपर लीग में नहीं खेल पाएंगे। इसका कारण है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अपनी खिलाड़ियों के इस लीग में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ईसीबी के अनुसार पीएसएल के समय ही देश में घरेलू सत्र भी चलता है। ऐसे में खिलाड़ियों की उपलब्धता में आ रही परेशानी को दूसरे करने के लिए ईसीबी ने अपने खिलाड़ियों के उस समय कहीं और खेलने पर रोक लगा दी है। आईपीएल पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होता है। इंग्लैंड ने हाल ही में आईपीएल के अगले तीन सीज के लिए अपने खिलाड़ियों की पूरी उपलब्धता की पुष्टी की है। खिलाड़ियों को आईपीएल के अलावा पीएसएल और दुनिया की अन्य फ्रेंचाइजी लीगों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि ये गर्मियों में घरेलू सत्र के साथ टकराती हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि, ईसीबी खिलाड़ियों को वाइटैलिटी ब्लास्ट और हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं देगी। नई नीति के तहत जो खिलाड़ी अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेलते हैं उन्हें भी इंग्लिश घरेलू व्हाइट-बॉल खेलों को मिस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के मुख्य अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि हमें अपने खेल और अपनी प्रतियोगिताओं की मजबूती को बनाये रखने की आवश्यकता है।

व्यापार

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार

- सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 24,140 पर

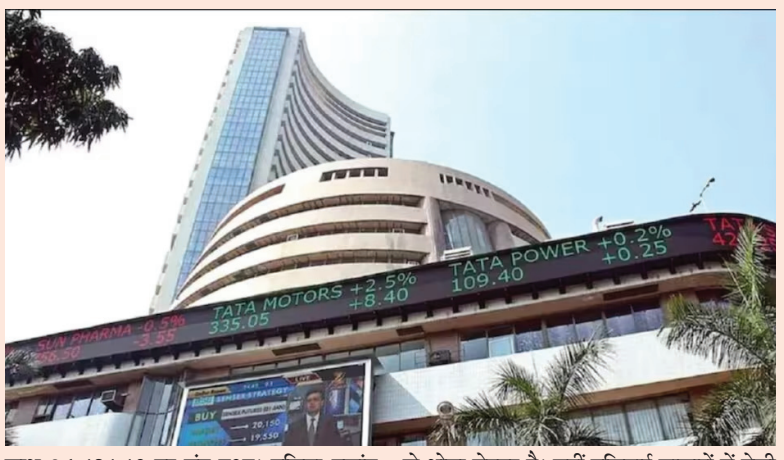

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतो की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने धीमी शुरुआत की। यह गिरावट सितंबर तिमाही के अपेक्षा से कम जीडीपी आंकड़ों के कारण हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 306 अंक की गिरावट के साथ 79,496.63 पर खुला। वहीं निफ्टी 50 24,140.85 पर कारोबार करता दिखा। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स में 30 में से 24 शेयर लाल निशान में कारोबार करते दिखे। इसमें इंफोसिस, एनटीपीसी और एलएंडटी सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.19 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई, जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.06 फीसदी नीचे रहा। सोमवार सुबह के कारोबार में निफ्टी बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। वहीं बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने मजबूती के साथ समाप्ति की। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 0.96 फीसदी बढ़कर 79,802.79 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 0.91 फीसदी की बढ़त के साथ 24,131.10 पर बंद हुआ। एशिया-प्रशांत बाजारों ने नए हफ्ते की शुरुआत सकारात्मक संकेतों के साथ की। निवेशक जापान, कोरिया और चीन सहित प्रमुख देशों से आने वाले आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। चीन ने सप्ताहांत में नवंबर का आधिकारिक पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) डेटा जारी किया। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 50.3 पर पहुंचा, जो अप्रैल के बाद का उच्चतम स्तर है। यह अक्टूबर के 50.1 और अर्थशास्त्रियों के 50.2 के अनुमान से थोड़ा बेहतर है। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। निक्केई 0.33 फीसदी चढ़ा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.77 फीसदी बढ़ा। कोस्पी 0.85 फीसदी और एएसएक्स 200 में 0.35 फीसदी की बढ़त रही। अमेरिकी शेयर बाजार भी पिछले हफ्ते मजबूती के साथ बंद हुए। शुक्रवार को डॉव जोंस और एसएंडपी 500 ने रिकॉर्ड स्तर छुआ। एसएंडपी 500 में 0.56 फीसदी, नैस्डैक में 0.83 फीसदी और डॉव जोंस में 0.42 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

जलवायु चुनौतियों के लिए ग्लोबल साउथ जिम्मेदार नहीं: पीयूष गोयल

कहा-भागीदार देशों के बीच तालमेल से दुनिया को एकता का संदेश मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि वैश्विक पर्यावरणीय क्षति के लिए ग्लोबल साउथ जिम्मेदार नहीं है, बल्कि यह नुकसान उन विकसित देशों की वजह से हुआ है, जिन्होंने कम लागत वाली ऊर्जा का लाभ उठाया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) भागीदारी शिखर सम्मेलन 2024 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और पर्यावरण संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए उपभोग के टिकाऊ तरीकों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पर्यावरण और स्थिरता के प्रति प्रत्येक भागीदार देश की साझा जिम्मेदारियां हैं लेकिन शिखर सम्मेलन में उपस्थित देश पर्यावरण को होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर काम करना होगा लेकिन पर्यावरण समस्या में उनके योगदान के आधार पर सभी को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। शिखर सम्मेलन में भागीदार देशों में इटली, इज़राइल, भूटान, बहरीन, अल्जीरिया, नेपाल, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, म्यांमार, कतर के व्यापार मंत्री और कंबोडिया साम्राज्य के वाणिज्य मंत्रालय के राज्य सचिव शामिल थे।

प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का आईपीओ खुला, निवेशक 4 दिसंबर तक लगा सकेंगे बोली

मुंबई/नई दिल्ली। देश के पहले पंजीकृत लघु और मध्यम रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 4 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 9 दिसंबर को लिस्ट होंगे। प्रॉपशेयर प्लैटिना, एसएम-रीट (प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 10 लाख से 10.5 लाख रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशकों को इसमें मिनिमम 10 लाख रुपये निवेश करने होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना कुल 352.91 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके लिए कंपनी 352.91 करोड़ रुपये के 3,361 फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉस सेल (ओएफएस) के जरिए एक भी शेयर नहीं बेचेंगे।

क्या होता है आईपीओ- जब कोई कंपनी पहली बार अपने शेयर्स को लोगों के लिए जारी करती है तो इसे आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कहते हैं। कंपनी को कारोबार बढ़ाने के लिए पैसे की जरूरत होती है। ऐसे में कंपनी बाजार से कर्ज लेने के बजाय कुछ शेयर पब्लिक को बेचकर या नए शेयर इश्यू करके पैसा जुटाती है, जिसके लिए कंपनी आईपीओ लाती है। प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (पीएसआईटी) के मुताबिक यह आईपीओ पूरी तरह से प्लैटिना यूनिट का नया निर्गम है। कंपनी इस आईपीओ से प्राप्त धन राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से प्लैटिना की विशेष इकाई (एसपीवी) द्वारा प्रेस्टीज टेक प्लैटिना की परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए करेगी, जबकि शेष धन राशि का उपयोग अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

रुपया दो पैसे बढ़कर 84.58 डॉलर पर

रुपया शुक्रवार को 84.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में स्थिर खुला और अपने सर्वकालिक निम्न स्तर से केवल दो पैसे चढ़कर 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.59 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले केवल दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निम्न स्तर 84.60 पर भी पहुंच गया। रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सोना-चांदी के भावों में आई गिरावट

सोना 76,382 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 90,147 रुपए

नई दिल्ली। दिसंबर महीने के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने-चांदी खरीदने वालों को राहत मिली है। सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोना 0.97 फीसदी गिरकर 76,382 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास और चांदी 1.16 फीसदी गिरावट के साथ 90,147 रुपए के आसपास कारोबार कर रही है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 700 रुपए की तेजी के साथ 79,400 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 78,700 रुपए प्रति 10 ग्राम रही थी। चांदी की कीमत भी 1,300 रुपए उछलकर 92,200 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। जबकि गुरुवार को चांदी 4,900 रुपए टूटकर 90,900 रुपए प्रति किलोग्राम रही थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 700 रुपए बढ़कर 79,000 रुपए के स्तर पर पहुंच गया जो गुरुवार को 78,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में सकारात्मक रुख और घरेलू मांग में वृद्धि के कारण बाजार धारणा मजबूत हुई, जिससे मुख्यतः सोने की कीमतों में तेजी आई।

राशि खन्ना आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय सैलिब्रिटी की साप्ताहिक लिस्ट में बनाई अपनी जगह

राशि खन्ना ने इस सप्ताह आईएमडीबी की ट्रेंडिंग सूची में स्थान हासिल करके एक बार फिर अपना पैन इंडिया स्टारडम साबित किया है। यह प्रतिष्ठित फीचर वैश्विक स्तर पर धूम मचाने वाले भारतीय सितारों को उजागर करता है, जो अभिनेताओं, निर्देशकों, लेखकों और अन्य को उनके प्रभाव और अपील के लिए मान्यता देती हैं। राशि का सूची में शामिल होना उनकी बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों से मिली प्रशंसा को दर्शाता है। उन्होंने हाल ही में द साबरमती रिपोर्ट में निडर पत्रकार अमृता गिल की भूमिका निभाते हुए एक शक्तिशाली प्रदर्शन किया। राशी के दिलचस्प चित्रण को दर्शकों और आलोचकों से व्यापक प्रशंसा मिली, जिससे एक बहुमुखी कलाकार के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। विक्रांत मैसी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, जिन्होंने एक पत्रकार की भूमिका भी निभाई, उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फिल्म की मनोरंजक कहानी में गहराई जोड़ दी। गोधरा के पास साबरमती एक्सप्रेस घटना के आसपास की दुखद घटनाओं पर आधारित, यह फिल्म इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय पर प्रकाश डालती है, जिसमें राशी का प्रदर्शन एक आकर्षण के रूप में सामने आता है। इसके अलावा राशि अपनी आगामी फिल्म तलाखों में एक में विक्रांत मैसी के साथ फिर से जुडने के लिए तैयार है, जो एक और आकर्षक सहयोग होने का वादा करती है। इसके अतिरिक्त, वह अपनी तेलुगु फिल्म तेलुसु कड़ा की रिलीज के लिए तैयारी कर रही हैं। आईएमडीबी की ट्रेंडिंग सूची में राशी की उपस्थिति न केवल उनकी अपार प्रतिभा को रेखांकित करती है, बल्कि उन्हें भारतीय मनोरंजन परिदृश्य में सबसे अधिक मांग वाले सितारों में से एक के रूप में भी चिह्नित करती है।

जेलर 2 के प्रोमो शूट से पहले रजनीकांत का धमाका, ब्रेकिंग बैड से इंस्पायर्ड पोस्टर किए रिलीज

हैदराबाद: रजनीकांत की जेलर 2 मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है और हो भी क्यों ना जेलर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था. सीक्वल के लिए अनुमानित प्रोमो शूट से पहले, प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने अब जेलर कलाकारों के लिए शानदार पोस्टरों की एक सीरीज को लॉन्च किया है, जो हिट अमेरिकी नेटफ्लिक्स सीरीज ब्रेकिंग बैड से प्रेरित है. नए पोस्टर में ब्रेकिंग बैड से इंस्पायर्ड फॉन्ट और कलर थीम शामिल हैं, जिसमें लीड एक्टर रजनीकांत समेत फिल्म के बाकी कलाकारों को भी दिखाया गया है. पोस्टर्स दिखने में वाकई कमाल के लग रहे हैं. पोस्टर पर टैगलाइन

लिखी है, मैं खतरे में नहीं हूं, मैं खतरा हूं. अन्य पोस्टर्स में उनके को-एक्टर्स और मोहनलाल, शिवराजकुमार, जैकी श्रॉफ और विनायकन के किलर पोज जबरदस्त लग रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक नेल्सन दिलीपकुमार 5 दिसंबर को सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म का प्रोमो शूट करने की योजना बना रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक नया प्रोमो रजनीकांत के 74 वें जन्मदिन पर रिलीज किया जाएगा. प्रोमो शूट चेन्नई में होने की उम्मीद है. हालांकि फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रोमो में वास्तव में क्या होगा. नेल्सन दिलीपकुमार की 2023 की ब्लॉकबस्टर जेलर ने कई रिकॉर्ड तोड़े थे साथ ही फिल्म दर्शकों और क्रिटीक्स को काफी पसंद आई थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक रजनीकांत के पूर्व दामाद धनुष से सीक्वल में एक अहम रोल के लिए कॉन्टैक्ट किया गया है हालांकि ऑफिशियल पुष्टि अभी बाकी है. जेलर 2 रजनीकांत की सुपर-हिट 2023 क्राइम-थ्रिलर जेलर का सीक्वल है. एक्टर ने फिल्म में एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी की भूमिका निभाई. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म करते हुए दुनियाभर में 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया. जो तमिलनाडु समेत सुपरस्टार के लंबे करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई. फिल्म में थलाइवा के साथ मोहनलाल, शिवा राजकुमार, राम्या कृष्णन, जैकी श्रॉफ, तमन्ना भाटिया, योगी बाबू और वसंत रवि जैसे कलाकार शामिल हैं.

अब मन भर कमाई भी नहीं कर पा रही आई वांट टू टॉक

7 दिन का कलेक्शन शर्मनाक

शूजीत सरकार इंडस्ट्री के सबसे मशहूर निर्देशकों में से एक हैं. उनकी फिल्में न केवल एंटरटेन करती हैं, बल्कि दिलो-दिमाग पर अमिट छाप भी छोड़ती हैं. उनकी लेटेस्ट रिलीज आई वांट टू टॉक के साथ भी उन्होंने यही करने की कोशिश की. फिल्म में अभिषेक बच्चन की परफॉरमेंस की तो काफी तारीफ हो रही है लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बेहद खराब परफॉर्म कर रही है. फिल्म की शुरुआत ही काफी ठंडी हुई थी और अब इसके एक हफ्ते का कलेक्शन भी काफी शर्मनाक है. चलिए यहां जानते हैं आई वांट टू टॉक ने रिलीज के सात दिनो में कितना कलेक्शन किया है अभिषेक बच्चन स्टारर आई वांट टू टॉक को सिनेमाघरों में रिलीज हुए अब एक हफ्ता हो चुका है और इसका कलेक्शन रुला देने वाला है. वैसे ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर मु ीभर कमाने करने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही है. इस फिल्म की शुरुआत ही चंद लाख से हुई थी और इसके बाद तो इसका बुरा हाल हो गया. आई वांट टू टॉक एक हफ्ते बाद भी 2 करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई है. ऐसे में ये फिल्म ना केवल सुपर फ्लॉप हो चुकी है बल्कि मेकर्स के लिए बड़े घाटे का सौदा बन गई है. फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने 25 लाख रुपये के कलेक्शन के साथ खाता खोला था. दूसे दिन फिल्म ने 55 लाख रुपये कमाए. इसके बाद, तीसरे दिन इसने 53 लाख रुपये कमाए. फिर चौथे दिन इसकी कमाई में भारी गिरावट देखी गई और इसने महज 17 लाख रुपये का कारोबार किया, पांचवें दिन फिल्म ने 18 लाख रुपये बटोरे. हालांकि, छठे दिन एक बार फिर बड़ी गिरावट देखी गई और ये केवल 12 लाख रुपये की कमाई कर पाई. वहीं अब फिल्म की रिलीज के सातवें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक आई वांट टू टॉक ने रिलीज के सातवें दिन 10 लाख का बिजनेस किया है. इसी के साथ आई वांट टू टॉक ने रिलीज की सात दिनों की कुल कमाई अब 1.94 करोड़ रुपये हो गई है. आई वांट टू टॉक के लिए अब बॉक्स ऑफिस पर टिकना नामूमकिन लग रहा है. 40 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने खूब जोर लगा लिया लेकिन ये 2 करोड़ की कमाई भी नही कर पाई है. ऐसे अब इसका टिकट खिडक़ी पर खेल पूरी तरह खत्म होता नजर आ रहा है. इसी के साथ ये फिल्म साल की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों की लिस्ट में शामिल बो चुकी है. आई वांट टू टॉक एक अकेले पिता की कहानी है. वह अपनी पत्नी से अलग हो चुका हैं और अपनी बेटी रेया के साथ रहता हैं. फिल्म में दिखाया गया है कि वह यूएस में रहने वाला एक मार्केटिंग जीनियस है, लेकिन अपने करियर के पीक पर, उसे लेरिन्जियल कैंसर की एडवांस स्टेड डायग्नोज होती है., उसके पास जीने के लिए केवल 100 दिन बचे हैं, जिसे वह अपनों के साथ बिताना चाहता है.

मीरा राजपूत ने नवंबर में बिताए कुछ खास पलों को किया याद

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ नवंबर में बिताए गए कुछ खास पलों को शेयर किया। शाहिद कपूर की पत्नी अपनी एक खास पहचान रखती हैं। वह अपने जीवन से जुड़े खास पलों को अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। नवंबर खत्म होने से पहले मीरा ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में उन्हें अपने दोस्तों के साथ देखा जा सकता है। शेयर की गई फोटो में उनके स्किनकेयर रूटीन की झलक भी

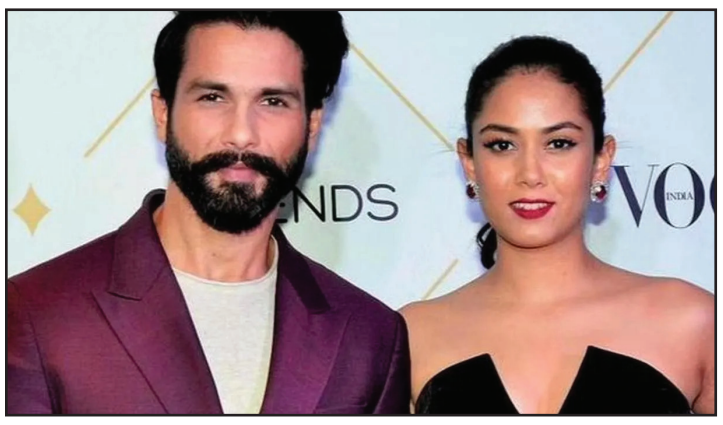

देखी जा सकती है। हाल ही में मीरा राजपूत अपने अभिनेता पति शाहिद कपूर के साथ एक पारिवारिक शादी में शामिल हुईं, जिसमें अभिनेता ने अपने जोशीले गाने गंदी बात पर अपने डांस मूव्स दिखाए। इस कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। एक क्लिप में कपूर को दुल्हन के साथ थिरकते हुए देखा गया। 21 नवंबर को जोड़े को एक शादी में देखा गया हैदर अभिनेता यहां क्लासिक ऑल-व्हाइट कुर्ता-पायजामा पहने दिखाई दिए। वहीं उनकी पत्नी मीरा एक साधारण लेकिन स्टाइलिश फ्लोरल ड्रेस में दिखाई दीं। शाहिद और मीरा ने 2015 में अरेंज मैरिज के साथ अपने शादीशुदा जीवन में कदम रखा। बता दें कि मीरा मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली हैं। मीरा ने 2016 बेटी मीशा कपूर का जन्म दिया। 2018 में मीरा ने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने ज़ैन कपूर रखा। शाहिद अगली बार आगामी एक्शन-ड्रामा देवा में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज की तारीख आगे बढ़ा दी गई है। पहले यह फिल्म 14 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। मगर अब यह 31 जनवरी को सिनेमाघरों में आएगी। इसकी घोषणा करते हुए निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आराम से बैठिए, क्योंकि इंतजार अब कम हो गया है, देवा 31 जनवरी, 2025 सिनेमाघरों में आएगी। हम आपको उम्मीद से पहले यह एक्शन से भरपूर थ्रिलर दिखाने के लिए उत्साहित हैं। अपने कैलेंडर पर यह तारीख दर्ज कर लें और एक ऐसे रोमांचक अनुभव के लिए तैयार हो जाएं, जिसे आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

ब्लैक आउटफिट पहन नेहा मलिक ने दिखाया बोल्ड अवतार, भोजपुरी क्वीन की हॉटनेस देख फैंस के उड़े होश

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से सोशल मीडिया का पारा बढ़ाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट किलर फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करती है तो वो तेजी से वायरल होने

लगती है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस बेहद ही स्टनिंग लुक में पोज देती हुई एक से बढक़र एक पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। नेहा मलिक की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का बेहद ही स्टाइलिश जैकेट और ब्लैक पेंट पहना हुआ है। बालों की पोनीटेल बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे ने लिखा है- यू लुक सो गॉर्जिस। तीसरे यूजर ने लिखा है- लुकिंग गुड।

Prime Minister Modi will watch Vikrant Massey's film The Sabarmati Report today

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi will watch the film 'The Sabarmati Report' with Lok Sabha Speaker Om Birla at 7 pm on Monday at the Balayogi Auditorium of Parliament House. Earlier, the Prime Minister has also praised this film. This film is based on the Godhra incident. Actor Vikrant Massey is in the lead role in this film. He has currently announced his retirement from acting. The film 'The Sabarmati Report' was released in theatres on November 15. Prime Minister Narendra Modi also praised the film when it was released. In this regard, he posted on his social media handle and said, it is good that now the truth is coming out and that too in a way that common people can also see it. A fake narrative lasts only for some time. In the end, the facts come out. At the same time, Amit Shah has also praised this film. Regarding this film, he said on X, he met the team of 'The Sabarmati Report' and congratulated them for their courage to bring out the truth. The Union Home Minister had further said, this film exposes the lies and misleading facts and brings out the truth which was suppressed for a long time to serve political interests. Earlier, Prime Minister Narendra Modi had appealed to the people to watch this film. After this, the top leadership of BJP had instructed to show the film to all MPs and MLAs. At the same time, Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav had even made this film tax free, so that more and more people could watch it.

Ban on mobile internet in Manipur extended for two more days

Imphal: The Manipur government has extended the suspension of mobile internet and data services in nine districts, including the troubled Jiribam district, for two days as a precautionary measure. No major incident has been reported from any of the nine districts since November 18 except the disappearance of a person from Kangpokpi district on November 25, but the suspension of mobile internet and data services has been extended for two more days as a precautionary measure, a senior Home Department official said.

In his order, Home Commissioner N. Ashok Kumar said, "In view of the prevailing law and order situation in the state, on the apprehension that some anti-social elements may extensively use social media to spread pictures, abusive language and hate video messages inciting the sentiments of the people, which may have a serious impact on the law and order situation. As a precautionary measure, the state government has imposed temporary suspension of mobile internet and mobile data services."The suspension of mobile internet and data services in nine districts - Imphal West, Imphal East, Bishnupur, Thoubal, Kakching, Kangpokpi, Churachandpur, Jiribam and Pherzawl - will be effective till 5.15 pm on December 3.

Following recovery of bodies of three missing children and three women in Jiribam district on November 15 and 16, Chief Secretary Vineet Joshi had ordered suspension of mobile internet and data services in these districts for two days following widespread violence by mobs in the valley districts, including Imphal East and Imphal West, attacking houses and bungalows of ministers, MLAs and political leaders since November 16. Since then, the suspension of mobile internet and data services has been extended from time to time for the last 17 days. However, after a two-week shutdown, all educational institutions, including schools and universities, resumed regular classes from November 29 in the six districts. Curfew restrictions were also relaxed in the six violence-hit districts - Imphal West, Imphal East, Thoubal, Bishnupur, Kakching and Jiribam. However, as per the district magistrate's order, any gathering or rally still requires prior permission from competent authorities.

Preparations for Maha Kumbh 2025 are going on at war footing in Prayagraj

Prayagraj: Maha Kumbh is going to be organized in 2025 after 12 years on the holy land of Prayagraj in Uttar Pradesh. Maha Kumbh will be organized from 13 January to 26 February. Preparations for Maha Kumbh are going on at war level. According to official estimates, about 43 crore pilgrims are expected to come to the Maha Kumbh fair. Extensive preparations are underway and all development activities from Sangam to Maha Kumbh are being closely monitored. Tight security arrangements are being made to ensure the safety and convenience of the devotees. Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath, who is actively monitoring the preparations for the Maha Kumbh Mela 2025, has directed officials to provide

a seamless experience for pilgrims from India and abroad attending the event. According to the report, PWD has also increased its speed and renovation work of pontoon bridges as well as roads is also gaining momentum. Till December 1, 27 roads have been renewed by the Public Works Department (PWD). Whereas, the target has been set to complete the renewal work of the remaining roads by December 10. Similarly, the beautification work of 17 roads is also likely to be completed by December 5. It is worth mentioning that PWD has a total of 89 projects, out of which about 60 projects have been completed, while the target is to complete the remaining by December 10. Last Wednesday, CM Yogi reviewed the preparations for the Maha Kumbh and assured that all the arrangements for the event would be completed by December 10, a month before the scheduled time. According to media reports, Prime Minister Narendra Modi will visit Prayagraj on December 13. Here PM Modi will perform the aarti of Maa Ganga and inaugurate several development projects. According to the CM, the Prime Minister will also see a presentation on Digital Kumbh and inspect the works prepared to enhance the grandeur of the event.

Priyanka Chaturvedi reacted to Mohan Bhagwat's statement

New Delhi: Shiv Sena (Uddhav Balasaheb Thackeray) Rajya Sabha MP Priyanka Chaturvedi reacted to the statement of Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) national president Mohan Bhagwat on population and temple-mosque. On RSS chief Mohan Bhagwat's statement that the population of Hindus is decreasing, they should have at least three children, Shiv Sena (UBT) MP Priyanka Chaturvedi said, I would expect him to keep this in mind, if unemployment is increasing in every household, then Hindu households are the most affected. They talk about per capita income, India comes in the lower ranking in this matter. She further said, everyone is in the grip of inflation. This includes the homes of Hindus, Muslims, Christians and Sikhs. In such a situation, I would request Mohan Bhagwat to raise his voice against the attacks on Hindu

brothers and sisters in our neighbouring country Bangladesh and talk to the Prime Minister. He had talked about the CAA law that wherever Hindus are persecuted, India will step in and help them. Now why is PM Modi silent on this? Home Minister Amit Shah is not allowing them to cross the border. The Foreign Ministry has not said a word that our Hindu brothers and sisters are being persecuted. There is a demand to demolish our temples and ban a big organisation like ISKCON. There is a demand for investigation of Rajasthan's Ajmer Sharif Mosque. Regarding this, Priyanka Chaturvedi said, RSS chief Mohan Bhagwat himself had said that stop looking for temples under every mosque. The Supreme Court verdict came, in which it was said that after the Ram temple, no place will be entertained. The Chief Justice of India had made some comments regarding the Pleasure for Worship Act, due to which today every district court is giving such a decision under its guise. He further said, in Sambhal we saw how life and property were destroyed. More than four people have died. Now there is the matter of Ajmer, tomorrow they will speak about Nizamuddin, day after tomorrow they will come to Haji Ali. Then they will keep looking for temples in all mosques and keep creating a ruckus. In this way, they will create an atmosphere of polarization in the entire country. This atmosphere should be stopped.

Farmers came out to surround the Parliament, RAF and Vajra vehicle blocked the way

Noida: The farmers who had come out to gherao the Parliament have gathered near the Mahamaya flyover and from here they are now moving forward towards Delhi. But just after going 100 meters, the police stopped the farmers and they sat on a dharna there. The police has closed the Noida-Greater Noida Expressway from both sides near Mahamaya and the road has been completely blocked near Dalit Prerna Sthal by using RAF and Vajra vehicles. Apart from this, the road from Mahamaya flyover to Chilla border has also been closed. The police has put up a barrier by placing trucks and cranes near the National Dalit Prerna Sthal in Noida, so that the farmers cannot move forward with their tractors. Apart from this, the police has implemented the diversion plan and those going to Greater Noida from Sector 18 are being diverted. The route going to Greater Noida has been diverted from Sector 18. The route going from Noida to Delhi has been diverted from Sector 94. According to information received from the police, the farmers are being monitored through drones and video recording is also being done. Noida Police is trying to prevent the farmers from reaching the border in any way. It is worth noting that after the failure of the talks held on Sunday, the farmers had decided to surround the Parliament in Delhi.

Demand for discussion on Ajmer, Bangladesh, Manipur and Sambhal, disruption again in Rajya Sabha

New Delhi: There was a lot of uproar in the Rajya Sabha once again on Monday. Opposition MPs on Monday demanded a discussion on Ajmer Sharif Dargah, atrocities on Hindus in Bangladesh, law and order in Manipur, law and order in Delhi and the situation in Sambhal, Uttar Pradesh. The opposition MPs demanding a discussion wanted the debate to be held in the Rajya Sabha under Rule 267. However, like before on Monday, the Chairman did not approve it. Due to this, there was a lot of uproar in the House. Amidst the uproar, the proceedings of the House had to be adjourned for some time. The proceedings of the Rajya Sabha started once again at 12 noon. With this, the uproar started again. In view of this, the Chairman adjourned the proceedings till Tuesday. It is worth noting that the winter session of Parliament started last Monday. Since then, the proceedings of the House have not been able to run smoothly even for a single day. On Monday, many opposition members had given notice for discussion in the Rajya Sabha. Chairman Jagdeep Dhankhar told in this regard that he has received notices from MPs for discussion under Rule 267. MPs like Ramjilal Suman, Javed Ali, AA Rahim and Neeraj Dangi had placed before the Chairman the demand for discussion in the Rajya Sabha on the violence that took place in Sambhal, Uttar Pradesh and the law and order situation. Opposition Rajya Sabha MPs Tiruchi Siva and Ajit Kumar had given notice for discussion on the law and order situation in Manipur. Aam Aadmi Party MPs wanted a discussion on the increasing crime in Delhi. At the same time, MPs like Anil Kumar, Imran Pratapgarhi, Neeraj Dangi wanted a discussion in the Rajya Sabha on the dispute related to Ajmer Dargah. Aam Aadmi Party MP Raghav Chadha demanded a discussion on the atrocities being committed on Hindus in Bangladesh. Another MP Shivadasan was demanding a discussion on a special package for Wayanad. The opposition MPs demanded that this discussion be held under Rule 267. When there is a discussion under Rule 267, all other work of the House is postponed. Along with this, a division of votes can also be done at the end of the discussion under this rule. Since the beginning of the Parliament session, the opposition MPs have been demanding a discussion under Rule 267. But last week the Speaker did not allow it.

TODAY'S BRIEF

Farmers march to Delhi today, massive jam at Chilla border of Noida

New Delhi: Farmers from Noida are preparing to march to Delhi with their demands. Police has set up checkposts on all the borders connecting Noida to Delhi. There is heavy deployment of police. All vehicles going from Noida to Delhi are being searched, due to which the speed of vehicles on the roads has been slowed down. Police is deployed at Chilla border, police is deployed at every nook and corner on Noida Delhi border. Actually, farmers are preparing to march to Delhi. In such a situation, arrangements have been made to stop the farmers at the border itself. Section 133 is also applicable in Noida. There is a high alert regarding the farmers' march to Delhi. Let us tell you that today the farmers had talked about marching to Delhi, after which the Noida Gautam Buddha Nagar Police is completely on high alert. Chilla Border connects Delhi to Noida. A large number of forces have been deployed here. Not only in the Noida part but also in the Delhi part, the Noida and Delhi police have also coordinated during this time. Let us tell you that all the vehicles that are continuously passing from here are being closely monitored. Also, let us tell you that the farmers were protesting here for their demands for a long time. The farmers started in Greater Noida Authority before 25 November. After that, they surrounded the Yamuna Authority and now they have talked about marching to Delhi. Yesterday, a meeting was held regarding the High Power Committee for about two hours. There was a discussion and it was said that its recommendations would be implemented. For your information, let us tell you that to implement all these recommendations, Delhi March has been announced today. Exactly 24 hours ago, a meeting was held with the three authorities, District Administration, District Magistrate Manish Verma and CP Laxmi Singh. The meeting lasted for 2 hours but the meeting failed completely, after which Delhi March has been announced. Proper barricading has been done on all the borders adjoining Noida and Delhi. A large number of police force has also been deployed in the Delhi part.

Community health officer exam cancelled in Bihar, question paper suspected to be leaked

Patna: The Community Health Officer (CHO) exam conducted by Bihar State Health Committee on Sunday has been cancelled due to the possibility of question paper leak. The exam scheduled for Monday has also been cancelled. It has been claimed that the next date of the exam will be announced soon. An online exam for the recruitment of CHO was conducted on Sunday in 12 centres in Patna. The police raided the examination centres fearing irregularities. It is being said that many types of evidence of irregularities have been found in it. It is believed that on the basis of this evidence, the decision was taken to cancel the examination for the recruitment of CHO on 4500 posts. According to sources, the police is investigating the matter. Sources claim that 12 people have been detained and are being questioned. There is also information about some examination centers being sealed. It is noteworthy that before the examination, audio and WhatsApp chat related to the CHO examination went viral. After this, the State Health Committee wrote a letter to the Senior Superintendent of Police of Patna and asked for an investigation. After this, the police raided before the examination on Sunday. The examination was being conducted online by an agency. The police is trying to find out who else is involved in this case. It is worth mentioning that question papers of many examinations have been leaked in Bihar before this as well.

Shivering cold will start in Delhi-NCR, snowfall on the mountains will increase difficulties

New Delhi: The cold season has started in the entire North India including the national capital Delhi. Apart from morning and evening, people are now suffering from cold during the day as well. The effect of the softening of the weather can now be seen on the roads of Delhi-NCR as well. The number of people going out for a walk in the morning and evening has decreased. To avoid the biting cold in the morning, people are seen warming their hands in bonfires on the streets. However, as soon as the sun rises, people feel mild heat and get relief from the cold. At the same time, people do not seem to get relief from pollution in Delhi. However, along with opening of schools in Delhi, relaxation has been given in many other matters as well. However, the Meteorological Department has claimed that after October and November being dry, the cold will be more or less the same in the first week of December. But due to snowfall in the mountains in the second week of the month, the temperature will fall rapidly. According to the India Meteorological Department, there may be a chilling cold in the plains around 8-9 December. Due to the effect of strong western disturbance, the direct effect of snowfall in the mountains will be seen on the entire plains including North India. While its maximum effect will be seen in Delhi-NCR, Haryana, Punjab, North Rajasthan and West UP. During this time, there is going to be less cold here. For your information, let us tell you that the first two months of winter, October and November, have been completely dry. There has not been any rain for a single day in these two months. However, there has been some snowfall on the mountains. But no strong western disturbance has come. At the same time, there are chances of a strong western disturbance becoming active on the mountains in the second week of December. The Meteorological Department says that on the next Sunday and Monday i.e. 8-9 December, there are chances of heavy snowfall along with good rain on the high mountains in Jammu and Kashmir